राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 06 जनवरी 2025 वर्ष-7,अंक-341 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

यूपी-बिहार में जानलेवा हुई ठंड, 10 की मौत

दिल्ली में 160 फ्लाइट और 60 ट्रेनें चल रहीं लेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के कारण पूरे उत्तर भारत में ठंड का असर तेज हो रहा है। पिछले 24 घंटे में उत्तर प्रदेश में ठंड से 8 लोग और बिहार में 2 लोगों ने जान गंवाई। देश के 14 राज्यों में लगातार दूसरे दिन घना कोहरा देखने को मिल रहा है। विजिबिलिटी घटने के कारण दिल्ली में रविवार को 160 फ्लाइट लेट हुईं। 7 कैंसिल भी हुईं। वहीं, 60 से ज्यादा ट्रेनें भी निर्धारित समय पर नहीं पहुंचीं। दिल्ली में 3 दिनों में कुल 900 से ज्यादा फ्लाइट्स प्रभावित हुईं। राजस्थान में ठंड से फिलहाल राहत है। यहां आज कुछ जिलों में रविवार को

बारिश की संभावना है। एमपी के मंडला में तापमान 4 डिग्री तक पहुंच गया है। राज्य के कई जिलों में 2 दिन बाद सर्दी और बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने कश्मीर और चिनाब घाटी में भारी बर्फबारी का अनुमान जताया है। वहीं, हिमाचल प्रदेश के भी 7 जिलों में भारी बर्फबारी के आसार हैं। लद्दाख के न्योमा और द्रास के बाद देश का तीसरा सबसे ठंडा इलाका शोपियां जिले का हिरपोरा गांव है। यहां फिलहाल 2 फीट बर्फ है। दिन के डेढ़ बजे यहां तापमान माइनस 13 डिग्री है। रात में यह माइनस 20 डिग्री तक पहुंच रहा है। बर्फ के छह महीने यह गांव मुख्यालय से लगभग कटा रहता है। पर्यटक 4 से 5 किमी पैदल चलकर यहां पहुंचते हैं, क्योंकि सड़कें बर्फ में छिपी रहती हैं।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली की सारी सड़कें प्रियंका के गाल जैसी बनवाएंगे

- रमेश बिधूड़ी के बयान पर बवाल,कांग्रेस बोली-यह घटिया आदमी की मानसिकता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव की तारीखों का ऐलान होने में बस कुछ ही दिन का समय रह गया है। इससे पहले बयानबाजी का दौर शुरू हो गया है। भारतीय जनता पार्टी के नेता और कालकाजी विधानसभा सीट से उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी एक बार फिर से चर्चा का विषय बन गए हैं। उन्होंने कांग्रेस सांसद

प्रियंका गांधी को लेकर विवादित बयान दिया है। उन्होंने कहा कि वह कालकाजी की सड़कों को प्रियंका गांधी के गालों जैसा बना देंगे। अब यह वीडिया सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसके बाद कांग्रेस पार्टी उन पर हमलावर है। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने भी इसे एक्स प्लेटफॉर्म पर शेयर किया है। इसमें बिधूड़ी कहते हुए नजर आ रहे हैं, 'लालू ने कहा था बिहार में कि राज्य की सड़कों को हेमा मालिनी के जैसा बना दूंगा। लालू ने झूठ बोला था। वो नहीं बना पाए। लेकिन मैं आपको विश्वास दिलाता हूं कि जैसे ओखला की सड़कें हमने बना दी हैं। संगम विहार की सड़कें बना दी हैं।

महाकुंभ में श्रद्धालुओं के लिए चलेंगी 40 इलेक्ट्रिक बसें

- 15 बसों का संचालन 13 जनवरी से पहले होगा, 25 बसें मौनी अमावस्या पर आएंगी

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुंभ में श्रद्धालुओं को दिक्कत न हो ऐसे में प्रयागराज में इलेक्ट्रिक बसों का संचालन शुरू हो रहा है। 13 जनवरी से पहले शहर की सड़कों पर ई-बसें दौड़ने लगेंगी। इन इलेक्ट्रिक बसों से श्रद्धालु आ-जा सकेंगे। शुरुआत में श्रद्धालुओं के लिए 15 इलेक्ट्रिक बसों का संचालन होगा। 29

जनवरी को मौनी अवास्या के प्रमुख स्नान पर्व तक 25 और बसों को लखनऊ मुख्यालय से प्रयागराज लाया जाएगा। ये इलेक्ट्रिक बसें विभिन्न रूटों पर श्रद्धालुओं को परिवहन सेवा उपलब्ध कराएंगी। मौनी अमावस्या पर्व के पहले लगभग 40 बसें प्रयागराज आएंगी। इन बसों की सप्लाई स्विच मोबिलिटी द्वारा की जा रही है। बसों की लंबाई 12 मीटर है। एक चार्जिंग में यह लगभग 200 किलोमीटर से अधिक संचालित की जा सकेंगी। परिवहन निगम को मिलीं नई इलेक्ट्रिक बसें शहर और बाहर दोनों का रूट पर चलेंगी।

रोहिणी रैली में पीएम मोदी की हुंकार,3 दिन के भीतर की दूसरी रैली

दिल्ली में एक ही आवाज, आपदा नहीं सहेंगे,सरकार बदल कर रहेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में चुनाव की तारीखों की घोषणा से पहले पीएम मोदी ने पूरी तरह से चुनावी मोड में ला दिया है। प्रधानमंत्री ने रविवार को दिल्ली मेट्रो चरण-4 के अंतर्गत जनकपुरी और कृष्णा पार्क के बीच करीब 1,200 करोड़ रुपये की लागत वाले

- पीएम मोदी ने दिल्ली को वर्ल्ड क्लास का बनाने पर दिया पूरा जोर
- पीएम बोले-दिल्ली मेट्रो का काम बीजेपी की सरकार ने पूरा फैलाया

2.8 किलोमीटर लंबे हिस्से का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने दिल्ली मेट्रो चरण-4 के 26.5 किलोमीटर लंबे रिठाला-कुंडली खंड की आधारशिला भी रखी, जिसकी लागत करीब 6,230 करोड़ रुपये होगी। इसके बाद पीएम मोदी ने रोहिणी के जापानी पार्क में परिवर्तन रैली को संबोधित किया। इससे पहले पीएम मोदी ने साहिबाबाद और न्यू अशोक नगर के बीच दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर

के 13 किलोमीटर लंबे हिस्से का भी उद्घाटन किया था। पीएम मोदी ने दिल्ली को वर्ल्ड क्लास राजधानी बनाने की बात कही। पीएम मोदी ने कहा कि 21वीं सदी के इस पड़ाव दिल्ली के लोगों से विशेष आग्रह किया। पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली के उज्ज्वल भविष्य के लिए बीजेपी को अवसर देने का आग्रह किया। पीएम मोदी ने इस मौके पर दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार की आपदा कहकर आलोचना की। पीएम मोदी ने जनकपुरी से कृष्णा पार्क से मेट्रो के उद्घाटन का जिक्र किया। पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली में एक ही आवाज गूंज रही हैं, आपदा नहीं सहेंगे, बदलकर रहेंगे। पीएम मोदी ने जनसभा के दौरान लोगों के साथ इस नारे को दोहराया। पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली विकास की धारा चाहती है। बीजेपी सेवा भाव से काम करने वाली पार्टी है, बीजेपी सपनों को पूरा करने की पार्टी है। पीएम मोदी ने कहा कि दिल्ली को दुनिया के 20 शहरों में एक बनाना हमारा संकल्प है। उन्होंने कहा कि दिल्ली गरीब और मिडिल क्लास के सपनों को पूरा करने वाला शहर बने। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि राजनीति में नीति,नीयत,निर्णय और निष्ठा बहुत महत्वपूर्ण होता है। आपदा वालों की नीयत देख लीजिए...आज इनके नेताओं पर करोड़ों के घोटाले के मुकदमे हैं। शराब घोटाला किसने किया- आपदा वालों ने। स्कूल घोटाला किसने किया- आपदा वालों ने। प्रदूषण के नाम पर किसने करोड़ों का खेल किया- आपदा वालों ने। अनैतिकता के साथ कारनामे करने वाले लोग दिल्ली में आपदा में घेर करके तबाही की ओर ले जा रहे हैं। उनकी वो सारी बातें जो पार्टी के जन्म से पहले कहते थे, वह सब कुछ धरा का धरा रह गया है। आपदा वालों के काम का कोई हिसाब नहीं है,लेकिन इनके कारनामें बेहिसाब हैं। ये तब होता है जब नीयत में खोट होता है और निष्ठा जनता के प्रति नहीं होती। ये आपदा वाले दिल्ली चुनाव में बौखला गए हैं।

एजुकेशन में प्राइवेटाइजेशन सही नहीं,खर्च बढ़ाना चाहिए

मद्रास आईआईटी के स्टूडेंट से कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने की चर्चा

चेन्नई (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आईआईटी मद्रास के स्टूडेंट से मुलाकात की। एक्स पर स्टूडेंट से बातचीत का वीडियो शेयर करते हुए राहुल गांधी ने लिखा- सरकारों को एजुकेशन सेक्टर में खर्च बढ़ाना चाहिए। निजीकरण और वित्तीय सहायता के जरिए क्वालिटी एजुकेशन हासिल नहीं किया जा सकता है।

राहुल से एक स्टूडेंट ने पूछा कि कांग्रेस और भाजपा की वर्किंग में क्या अंतर है। इस राहुल ने कहा- कांग्रेस और यूपीए का आम तौर पर मानना है कि संसाधन निष्पक्ष तरीके से सभी में बंटने चाहिए। विकास सबके लिए बराबर होना चाहिए। समाज का कोई वर्ग इससे ना छूटे। वहीं, भाजपा वाले ग्रोथ को लेकर अधिक आक्रामक रहते हैं। उनका मानना है कि संसाधनों पर फोकस करना चाहिए। वे आर्थिक रूप से इसे ट्रिकल डाउन कहते हैं। सामाजिक मामलों पर कांग्रेस का मानना है कि समाज जितना सौहार्द से भरा होगा। उतने कम लोग लड़ेंगे।

भारतीय शिक्षा प्रणाली पर फिर से विचार की जरूरत

राहुल गांधी ने इस बात पर जोर दिया कि अपने युवाओं को शिक्षित करने, बेहतर कल की कल्पना को साकार करने और भारत को वैश्विक नेतृत्वकर्ता में बदलने के लिए भारतीय शिक्षा प्रणाली को लेकर फिर से विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'वर्तमान में हमारा शिक्षा ढांचा अकसर युवाओं को कुछ करियर जैसे डॉक्टर, इंजीनियर, आईएएस, आईपीएस, या सशस्त्र बल तक सीमित कर देता है।' उन्होंने कहा कि यह विभिन्न अवसरों को खोलने, छात्रों को अपनी आकांक्षा को पूरा करने और नवाचार व पसंद से प्रेरित भविष्य बनाने के लिए सशक्त बनाने का समय है।

निजीकरण ने नहीं हासिल होने वाला लक्ष्य

कांग्रेस नेता ने कहा, 'यह बातचीत केवल विचारों के बारे में नहीं थी, यह समझने के बारे में भी थी कि हम भारत को विश्व मंच पर समानता और प्रगति की शक्ति के रूप में स्थापित करने के लिए कैसे मिलकर काम कर सकते हैं। उनके विचारशील प्रश्नों और ताजा दृष्टिकोण ने इसे वास्तव में प्रेरणादायक बातचीत बना दिया।' उन्होंने वीडियो एक्स पर पोस्ट कर कहा, 'मानना है कि अपने लोगों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की गारंटी देना किसी भी सरकार की सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक है। इसे निजीकरण और वित्तीय प्रोत्साहन के माध्यम से हासिल नहीं किया जा सकता। हमें शिक्षा अधिक पैसा खर्च करने तथा सरकारी संस्थानों को मजबूत करने की जरूरत है।'

पोरबंदर में क्रैश हुआ कोस्ट गार्ड का हेलीकॉप्टर ध्रुव

तीन लोगों की हो गई मौत,तकनीकी खामी की आशंका

पोरबंदर (एजेंसी)। गुजरात के पोरबंदर में इंडियन कोस्ट गार्ड का एक एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर ध्रुव आज दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। इस हादसे में कई लोग घायल भी हुए हैं, जिनका सिविल हॉस्पिटल में इलाज किया जा रहा है। हादसा क्यों हुआ,इसका पता अभी नहीं चल पाया है। जानकारी के अनुसार, कोस्ट गार्ड का ध्रुव हेलीकॉप्टर खुले मैदान में गिर गया और उसमें आग लग गई। इंडियन कोस्ट गार्ड भारत के समुद्री सीमा की निगरानी करती है। भारतीय तटरक्षक बल के मुताबिक,रविवार को ध्रुव हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने के समय नियमित उड़ान पर था। इसमें दो पायलट और तीन अन्य लोग सवार थे।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में चार नक्सली ढेर, एक जवान शहीद

- अबूझमाड़ में 4 जिलों के 1000 जवानों ने घेरा, शवों के साथ एके-47 बरामद

जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा और नारायणपुर जिले की सीमा पर अबूझमाड़ के जंगल में पुलिस-नक्सलियों के बीच शनिवार देर रात मुठभेड़ हुई है, जिसमें डीआरजी जवान प्रधान आरक्षक सन्नू कारम शहीद हो गए। वहीं, जवानों ने एक महिला नक्सली समेत 4 माओवादियों को भी मार गिराया है। शहीद जवान सन्नू कारम एक आत्मसमर्पित नक्सली थे। कुछ साल पहले ही उन्होंने नक्सलवाद छोड़ दिया था और पुलिस में भर्ती हुए थे, जहां उनकी पोस्टिंग दंतेवाड़ा में हुई थी। सर्चिंग के दौरान जवानों ने मौके से सभी नक्सलियों के शव और एके 47, जैसे हथियार बरामद किए हैं।

दो भगोड़े पूर्व सैनिक 19 साल बाद पुडुचेरी से गिरफ्तार

- केरल में मां-जुड़वां बेटियों की हत्या करके भागे थे, पेटर्निटी टेस्ट नहीं करवाना चाहते थे

पुडुचेरी (एजेंसी)। 10 फरवरी 2006 को केरल के कोल्लम जिले में अंचल के पास येरम में एक अविवाहित महिला और उसकी 17 दिन की जुड़वां बेटियों की हत्या हुई थी। हत्या करने वाला अंचल का ही रहने वाला दिबिल कुमार बी था, जो 2006 में भारतीय सेना की 45 ए.डी. रेजीमेंट में था। इस हत्या में उसकी रेजिमेंट के ही एक और साथी पी राजेश ने मदद की थी। हत्या के बाद दोनों आरोपी रेजीमेंट में वापस न जाकर भाग गए थे। मार्च 2006 में सेना ने उन्हें भगोड़ा घोषित कर दिया था।

कुंभ में वाटरड्रोन और सोनार सिस्टम से जल पुलिस लैस

प्रयागराज में चार हजार जल पुलिस के जवान हो गए तैनात

प्रयागराज (एजेंसी)। महाकुम्भ में आस्था की डुबकी लगाने आ रहे करोड़ों श्रद्धालुओं की सुरक्षा को लेकर सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। गंगा और यमुना नदी में श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए चार हजार जल पुलिस के जवान तैनात किए जाएगे।

- लाइफबॉय और एफआरपी स्पीड बोट होगी इनकी मददगार

इन जवानों को अत्याधुनिक उपकरणों से भी लैस किया गया है। अंडर वाटर ड्रोन और सोनार सिस्टम जैसे इक्विपमेंट्स के माध्यम से जल पुलिस संगम के चप्पे चप्पे पर निगरानी कर रही है। लाइफबॉय और एफआरपी स्पीड मोटर बोट जैसे इक्विपमेंट्स आपातकालीन परिस्थितियों में लोगों के लिए सहायक होंगे। किसी भी तरह की आपदा से निपटने के लिए वेल ट्रेन्ड जल पुलिस के जवान तैनात किए गए हैं।

बनाए गए हैं तीन जल पुलिस स्टेशन

जल पुलिस योजना के तहत अब तक करीब 2500 जवान तटों की सुरक्षा के लिए तैनात कर दिए गए हैं। तीन जल पुलिस स्टेशन बनाए गए हैं जो श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए 24 घंटे तत्परता से कार्यरत हैं। तटों पर सुरक्षा की मॉनीटरिंग जल पुलिस के कंट्रोल रूम से की जा रही है, जबकि पूरे मेला क्षेत्र में 17 जल पुलिस सब कंट्रोल रूम भी स्थापित किए गए हैं। इस मैनपावर में मेले की शुरुआत से पहले और इजाफा किया जाएगा और इसमें करीब 1300 जल पुलिस के जवान और जुड़ जाएंगे। इस तरह मेले के दौरान कुल मिलाकर 3800 जल पुलिस के जवान तटों की सुरक्षा में मुस्तैद रहेंगे।

अत्याधुनिक उपकरणों से किया गया लैस

तटों की सुरक्षा के लिए सरकार ने जल पुलिस के जवानों को अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किया है। 8 किमी. क्षेत्र में डीप वॉटर बैरीकेडिंग की गई है। 2 फ्लोटिंग रेस्क्यू स्टेशन बनाए गए हैं, जहां किसी भी अप्रिय घटना से बचाव के लिए जवानों की तैनाती की गई है। इसके अलावा संगम क्षेत्र की सुरक्षा के लिए 11 एफआरपी स्पीड मोटर बोट तैनात की गई हैं। छह सीटर इस बोट में जवान हर समय संगम क्षेत्र की निगरानी करते नजर आ रहे हैं। आपातकालीन परिस्थितियों के लिए 4 वाटर एंबुलेंस भी तैनात कर दी गई हैं, जो तत्काल राहत पहुंचाने में समक्षम हैं। इसके अतिरिक्त 25 रिजार्जेबल मोबाइल रिमोट एरिया लाइटनिंग सिस्टम को भी तैनात किया गया है। चेंजिंग रूम के साथ चार अनाकोंडा मोटर बोट भी तैनात की जा रही है। इसके अतिरिक्त जल पुलिस के जवान 2 किमी. लंबी रिवर लाइन से भी लैस हैं, जो यमुना में ट्रैफिक कंट्रोल में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसके अलावा उन्हें 100 डाइविंग किट, 440 लाइफबॉय, 3 हजार से ज्यादा लाइफ जैकेट, 415 रेस्क्यू ट्यूब, 200 थ्रो बैग विद रोप, 29 टॉवर लाइट सिस्टम, एक अंडर वाटर ड्रोन और एक सोनाल सिस्टम से लैस किया गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गुरू गोविन्द सिंह जी से प्रेरणा लें

(लेखक - संजय गोस्वामी)

गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती पर विशेष

भरी सभा में उन्होंने बलिदान के लिए पाँच सिरों की मांग की । गुरु की यह माँग सुनकर सारी सभा में सन्नाटा छा गया । फिर एक-एक करके पाँच व्यक्ति अपना बलिदान देने के लिए आगे आए । गुरु जी एक-एक करके उन्हें तम्बू में ले जाते रहे । इस प्रकार उन्होंने पाँच प्यारों का चुनाव किया । फिर उन्हें अमृत छकाया और .स्वयं भी उनसे अमृत छका । इस तरह उन्होंने अन्याय और अत्याचार का विरोध करने के लिए खालसा पंथ की स्थापना की । उन्होंने अपना नाम गोबिंद राय से गोबिन्द सिंह रख लिया ।पहाड़ी राजाओं से युद्ध- गुरु जी की बढ़ती हुई सैनिक शक्ति को देखकर कई पहाड़ी राजे उनके शत्रु .बन गए ।

गुरू गोविन्द सिंह की जयंती 6 जनवरी, सोमवार के दिन गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती मनाई जा रही है संत श्री गुरु गोबिन्द सिंहजी से आज के व्यक्ति प्रेरणा लें क्योंकि आज सभी अपने अपने के स्वार्थ में लगे हैं और सिखों पर विदेश में नेता प्रतिपक्ष गलत बयान देते जो उनके जाने बगैर ही भ्रामकता आ जाती है हमें गुरु से सीखना चाहिए मैं गलत हो सकता हूँ पर गुरु नहीं जैसा सभी को मालूम है श्री गुरूगोबिंद सिंहजी भारत के महान संत और योद्धा दोनों थे वे सभी के प्रति दया के सागर थे क्योंकि जब चमकोर की लड़ाई में मात्र 40सिख वजीर खान के 10लाख सैनिकों से लड़ रहें थे तब गुरूजी ने पांच पांच की टुकड़ी बनाई और जब उनका पुत्र साहिब अजित सिंह दुश्मन से लड़ने जा रहें थे तभी एक सेवादार ने कहा कि गुरूजी ऐ आपका पुत्र है इसे ना भेजें तभी श्री गुरु गोबिन्द सिंह जी ने कहा क्या आप सब मेरे अपने नहीं हो, गुरू गोबिंद सिंह सिक्खों के दसवें गुरु थे । वे एक महान् शूरवीर और तेजस्वी थे। उन्होंने मुगलों के अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई थी और ' सत श्री अकाल ' का नारा दिया था । उन्होंने कायरों को वीर और वीरों को सिंह बना दिया था । काल का अवतार बनकर उन्होंने शत्रुओं के छक्के छुड़ा दिए थे । इस तरह उन्होंने धर्म, जाति और राष्ट्र को नया जीवन दिया था ।गुरु जी का जन्म- गुरु गोबिन्द सिंह जी का जन्म 22 दिसम्बर, सन् 1666 ई0 को पटना में हुआ । इनका बचपन का नाम गोबिन्द राय रखा गया । इनके पिता नौवें गुरु श्री तेरा बहादुर जी कुछ समय बाद पंजाब लौट आए थे । परन्तु यह अपनी माता गुजरी जी के साथ आठ साल तक पटना में ही रहे ।तीव्र बुद्धि- गोबिन्द राय बचपन से ही स्वाभिमानी और शूरवीर थे । घुड़सवारी करना, हथियार चलाना, साथियों की दो टोलियां बनाकर युद्ध करना तथा शत्रु को जीतने के खेल खेलते थे । वे खेल में अपने साथियों का नेतृत्व करते थे । उनकी बुद्धि बहुत तेज थी । उन्होंने आसानी से हिन्दी, संस्कृत और फारसी भाषा का अच्छा ज्ञान प्राप्त कर लिया था । को बलिदान के लिए प्रेरित करना- उन दिनों औरंगजेब के अत्याचार जोरों पर थे । वह तलवार के जोर से हिन्दुओं को मुसलमान बना रहा था । कश्मीर में भी हिन्दुओं को जबरदस्ती मुसलमान बनाया जा रहा था । भयभीत कश्मीरी ब्राह्मण गुरु तेग बहादुर जी के पास आए । उन्होंने गुरु जी से हिन्दु धर्म की रक्षा के लिए प्रार्थना की । गुरु तेग बहादुर जी ने कहा कि इस समय किसी महापुरुष के बलिदान की आवश्यकता है । पास बैठे बालक गोबिन्द राय ने कहा-पिता जी, आप से बढ्कर महापुरुष और कौन हो सकता है । तब गुरु तेग बहादुर जी ने- बलिदान देने का निश्चय कर लिया । वे हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए दिल्ली पहुँच गए और वहाँ धर्म की रक्षा के लिए अपना बलिदान दे दिया और गुरु तेग बहादुर जी को उनके शहीदी पर उन्हें हिन्द का चादर भी कहा जाता है क्योंकि वे कश्मिरी पंडीतों की रक्षा यानि हिन्दू धर्म की रक्षा के लिए बलिदान दिया और उनके साथ दो अन्य शिष्यों ने भी बलिदान दिया जो सचमुच जुल्म के खिलाफ एक मिशाल कायम की। पिता जी की शहीदी के बाद धर्म की रक्षाके लिए गोबिन्द राय 11 नवम्बर, 1675 ई0 को गुरु गद्दी पर बैठे । उन्होंने औरंगजेब के अत्याचारों के विरुद्ध आवाज उठाई और हिन्दू धर्म की रक्षा का बीड़ा उठाया । उन्होंने गुरु परम्परा को बदल दिया । अब वे मसन्दों और अपने सेवकों से राजाओं की साज-सज्जा और युद्ध के सामान भेंट में लेने लगे । वे अपने शिष्यों को सैनिक-शिक्षा देते थे ।खालसा पंथ की स्थापना- सन् 1699 में वैशाखी के दिन गुरु गोबिन्द राय जी ने आनन्दपुर साहिब में दरबार सजाया । भरी सभा में उन्होंने बलिदान के लिए पाँच सिरों की मांग की । गुरु की यह माँग सुनकर सारी सभा में सन्नाटा छा गया । फिर एक-एक करके पाँच व्यक्ति अपना बलिदान देने के लिए आगे आए । गुरु जी एक-एक करके उन्हें तम्बू में ले जाते रहे । इस प्रकार उन्होंने पाँच प्यारों का चुनाव किया । फिर उन्हें अमृत छकाया और .स्वयं भी उनसे अमृत छका । इस तरह उन्होंने अन्याय और अत्याचार का विरोध करने के लिए खालसा पंथ की स्थापना की । उन्होंने अपना नाम गोबिंद राय से गोबिन्द सिंह रख लिया ।पहाड़ी राजाओं से युद्ध- गुरु जी की बढ़ती हुई सैनिक शक्ति को देखकर कई पहाड़ी राजे उनके शत्रु .बन गए । पाऊंटा दुर्ग के पास भंगानी के स्थान पर फतेह शाह ने गुरु जी पर आक्रमण कर दिया । सिक्ख बड़ी वीरता से लड़े । अन्त में गुरु जी विजयी रहै ।नादौन का युद्ध- जम्मू के सूबेदार मियाँ खाँ ने अपने सेनापति आलिफ खां को पहाड़ी राजा भीमचन्द से कर (टैक्स) लेने के लिए भेजा,कर देने से इकार करने पर आलिफ खाँ ने भीमचन्द पर हमला कर दिया । गुरु जी भीमचन्द की सहायता के लिए पहुंचे । आलिफ खां युद्ध में मारा गया । इसे नादौन का युद्ध कहते हैं आनन्दपुर छोड़ना- औरंगजेब ने गुरु जी की शक्ति समाप्त करने का निश्चय किया । उन्हें लाहौर और सरहिन्द के सूबेदारों को गुरु जी पर आक्रमण करने का हुक्म दिया । पहाड़ी राजा मुगलों के साथ मिल गए , उन सबने कई महीनों तक आनन्दपुर को घेरे रखा । सिक्ख इस लड़ाई से तंग आ चुके थे । औरंगजेब ने गुरु जी को पत्र लिखा किइ वे दुर्ग छोड़ दुंए उन्हें कोई हानि नहीं पहुँचाई जाएगी । गुरु जी ने किला छोड़ दिया पर शत्रु सेना ने विश्वासघात किया । उसने गुरु जी पर आक्रमण कर दिया । गुरु जी को काफी हानि उठानी पड़ी ।चमकौर का युद्ध 1704 में 21, 22, और 23 दिसम्बर को गुरु गोविंद सिंह और मुगलों की सेना के बीच पंजाब के चमकौर में लड़ा गया था। गुरु गोबिंद सिंह जी 20 दिसम्बर की रात आनंद पुर साहिब छोड़ कर 21 दिसम्बर की शाम को चमकौर पहुंचे थे, और उनके पीछे मुगलों की एक विशाल सेना जिसका नेतृत्व वजीर खां कर रहा था, भी 22 दिसम्बर की सुबह तक चमकौर पहुँच गयी थी।23 दिसम्बर को गुरु गोविंद सिंह और मुगलों की सेना के बीच चमकौर में युद्ध लड़ा गया था वजीर खां गुरु गोबिंद सिंह को जीवित या मृत पकड़ना चाहता था। चमकौर के इस युद्ध में गुरु गोबिंद सिंह की सेना में केवल उनके दो बड़े साहिबजादे अजीत सिंह एवं जुझार सिंह और 40 अन्य सिंह थे। इन 43 लोगों ने मिलकर ही वजीर खां की पूरी सेना का विनाश कर दिया था ।वजीर खान किसी भी सूरत में गुरु गोविंद सिंह जी को ज़िंदा या मुर्दा पकड़ना चाहता था क्योंकि औरंगजेब की लाख कोशिशों के बावजूद गुरु गोविंद सिंह मुग़लों की अधीनता स्वीकार नहीं कर रहे थे। लेकिन गुरु गोविंद सिंह के दो बेटों सहित 40 सिक्खों ने गुरूजी के आशीर्वाद और अपनी वीरता से वजीर खान को अपने मंसूबो में कामयाब नहीं होने दिया और 10

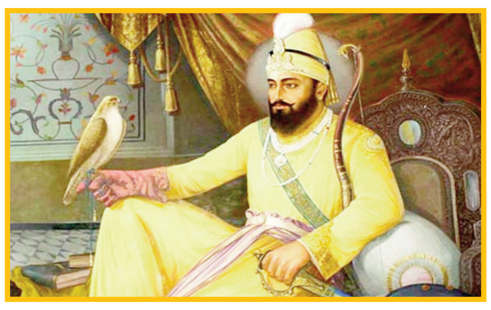

लाख मुग़ल सैनिक भी गुरु गोविंद सिंह जी को नहीं पकड़ पाए। यह युद्ध इतिहास में सिक्खों की वीरता और उनकी अपने धर्म के प्रति आस्था के लिए जाना जाता है नवाब वजीर खां ने माता गुजरी और दोनों छोटे साहिबजादों बाबा जोरावर सिंह और फतेह सिंह बहुत अत्याचार किए और धर्म बदलने के लिए कहा। लेकिन इन्होंने ऐसा करने से इनकार कर दिया। उस समय बाबा जोरावर मात्र 7 और बाबा फतेहसिंह 9 साल के थे। गुस्सा होकर वजीर खान ने 26 दिसंबर 1705 को दोनों साहिबजादों को दीवार में जिंदा चुनवा दिया। जब ये बात माता गुजरी को पता चली तो उन्होंने भी अपना शरीर त्याग दिया।गुरु गोबिंद सिंह का जन्म भारत में ऐसे समय में हुआ था जब लोग राजनीतिक रूप से विभाजित, धार्मिक रूप से पतित और आर्थिक रूप से शोषित थे। उन्होंने एक नए वैचारिक युग की शुरुआत की और अपने देश के निष्क्रिय और सुस्त लोगों को जीवन के प्रति एक सशक्त दृष्टिकोण से उत्साहित किया। हिंदू पंजाब में एक राजनीतिक शक्ति नहीं रह गए थे जो मुगलों के अत्याचारी शासन की चपेट में था। हिंदू सौम्य और विनम्र थे, और अपने विश्वास के प्रति कठोर थे और उन्हें अपने आहत सम्मान और मर्दानगी को सही ठहराने के लिए एक बहादुर भावना से ओतप्रोत होना पड़ा। पुरुषोत्तम निझावन के अनुसार, यद्यपि नानक मनुष्य और मनुष्य के बीच के सभी भेदों को मिटा रहे थे, फिर भी उन्होंने स्वयं को भारतीय जड़ों से अलग नहीं किया... जबकि इस्लाम आम तौर पर शुद्धतावादी है, हिंदू धर्म में ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें अत्यधिक तपस्या और आत्म-पीड़ा का अभ्यास किया जाता है।

संपादकीय

जागरूकता व सख्त कानूनों में समाधान

देश में साइबर अपराधों में लगातार आ रही तेजी सरकार और आम जनता की चिंता का सबब बनी हुई है। हालांकि सरकार के नियामक संगठन और खुफिया एजेंसियां लगातार सक्रिय हैं लेकिन अपराधी अपराध के नये-नये तौर-तरीकों से अपने खतरनाक मंसूबों को अंजाम देने में लगे हैं। यद्यपि, यह संकट विश्वव्यापी है, लेकिन देश में डिजिटलीकरण के प्रयासों के बाद इन अपराधों में तेजी आई है। इंडियन साइबर क्राइम को-ऑर्डिनेशन सेंटर के इस माह के शुरुआत में आए आंकड़ों में बताया गया कि इस साल सितंबर तक देश में साइबर धोखाधड़ी से 11,333 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। चौंकाने वाली बात यह है कि इस दौरान स्टॉक ट्रेडिंग घोटालों में सर्वाधिक सवा दो लाख शिकायतें आईं और करीब साढ़े चार हजार करोड़ का नुकसान बताया गया। यह बताता है कि देश में साइबर अपराध का जाल कितना दायरा बढ़ा चुका है। उल्लेखनीय है कि गृह मंत्रालय की साइबर अपराधों पर नजर रखने वाली एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार देश में नवंबर तक साइबर धोखाधड़ी की बारह लाख शिकायतें आईं, जिनमें से 45 फीसदी मामलों को म्यांमार, लाओस व कंबोडिया आदि से अंजाम दिया गया। इस तरह ऑनलाइन वित्तीय सेवाओं में साइबर सेंधमारा का मकड़जाल लगातार उपभोक्ताओं की मुसीबतों का सबब बन रहा है। मोबाइल स्पाइवेयर भी एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं, जो उपभोक्ताओं की आवश्यक गुप्त रूप से जानकारियां चुरा लेते हैं। जिसके सहारे वित्तीय फॉड को अंजाम दिया जाता है। हाल के दिनों में साइबर अपराधों में नया तरीका डिजिटल अरेस्ट जुड़ गया है, जिसके जरिये देश की वित्तीय नियामक एजेंसियों व पुलिस के नाम पर लोगों से करोड़ों रुपये वसूले जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि साइबर हमलों के अलावा ऑनलाइन फॉड और सेक्सटार्शन के मामले भी सामने आ रहे हैं। साथ ही डाटा चोरी, रैनसमवेयर, ऑनलाइन घृणा फैलाने, साइबर बुलिंग तथा नागरिक सेवाओं व अस्पतालों पर हमले के मामले सामने आते रहते हैं। इसमें शत्रु देशों की तरफ से देश की अर्थव्यवस्था व आंतरिक सुरक्षा को नुकसान पहुंचाने की कोशिश भी शामिल होती है। विडंबना यह है कि देश में साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लिये अलग से कड़ा कानून नहीं है। दूसरी ओर आईटी एक्ट में संशोधन कर लाए गए प्रावधान इन साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने में पूरी तरह से कामयाब नहीं हो पा रहे हैं। साइबर अपराधों पर पूरी तरह अंकुश लगाने के लिये केंद्र सरकार द्वारा बनाए गए साइबर को-ऑर्डिनेशन सेंटर को और अधिक प्रभावशाली बनाये जाने की जरूरत है, जिसने पिछले दिनों दक्षिण पूर्व एशिया से सक्रिय साइबर अपराधियों पर अंकुश लगाने की दिशा में पहल की थी। निस्संदेह, इस संकट के मुकाबले के लिये जहां सरकारों को सख्त कानून बनाने की जरूरत है, वहीं नागरिकों को इन अपराधों से बचने के लिये जागरूक करने की जरूरत है। जिसमें केंद्र व राज्य स्तर पर साइबर नियंत्रक पुलिस बल की आवश्यकता भी महसूस की जा रही है।

अद्भुत है गुरु गोविंद सिंह की जन्म स्थली पटना साहिब का गुरुद्वारा

(लेखक - डॉ. श्रीगोपाल नारसन)

सिख धर्म के दसवें गुरु हुए गुरु गोविंद सिंह की जन्म स्थलीबिहार की राजधानी पटना के बारे में कहा जाता है कि पटना शहर को सन 1541 ई0 में शेरशाह सुरी ने बसाया था। हालांकि पटना महानगर का इतिहास 600 शताब्दी पूर्व भगवान बुद्ध के समय से भी जुडा है। पटना तब एक छोटा सा कस्बा हुआ करता था और इसे पाटलीपुत्र नाम से दुनियाभर में पहचान मिली हुई थी। राजा अजात शत्रु ने अपने शत्रु लिच्छवी गणतन्त्र का मुकाबला करने के लिए गंगा किनारे इस पाटलीपुत्र कस्बे को एक किले के रूप में विकसित किया। जिसके तहत कस्बे के चारो ओर दीवारे बनाई गई। इसके बाद महात्मा बुद्ध यहां आए और कुछ समय यहां प्रवास किया ,इसी कारण पटना को भगवान बुद्ध की नगरी भी कहां जाता है। कहा जाता है कि 320 ई0 पूर्व नन्द राजा की राजधानी पाटलीपुत्र हुआ करती थी। राजा नन्द का साम्राराज्य भारत के एक बडे क्षेत्र तक फैला हुआ था। उस समय भी इस नगर के चारो तरफ दीवारे होने के प्रमाण मिलते है।

सेल्यूकश निकेटर के राजदूत मेगास्थिनज के शब्दों में ,पटना शहर भारत के बडे शहरों में से एक है, जिसके चारों तरफ लकडी की दीवारे होना बताई गई थी,साथ ही इस शहर के चारों तरफ 36 फीट चौडी व 15 फीट गहरी खाई होने होने की बात भी इतिहास में दर्ज है। इस शहर में 64 प्रवेशद्वार थे और 367 गुम्बज पटना नगर की शोभा बढाते थे। लेकिन 530 ई0 में आए भंयकर भूकम्प ने पटना शहर को बर्बाद कर दिया था। बाद में समय के साथ पटना ने अपने आपको संभालाऔर कुछ ही वर्षो में फिर यह शहर दुनिया को अपनी तरफ आकर्षित करने लगा।धार्मिक,साहित्यिक व राजनीतिक गतिविधियों के केन्द्र पटना वह पावन धरती है जहां महात्मा बुद्ध,गुरू नानकदेव,गुरू तेग बहादुर व गुरू गोविन्द सिंह के चरण पडे जिससे यह धरती पवित्र और पावन हो गई। कहा जाता है कि प्रसिद्ध अर्थशास्त्री कौटिल्य ने इसी धरती पर अर्थशास्त्र की रचना की थी।दुनियाभर में प्रख्यात रहे व्याकरण विद्वान पाणिनी की प्रसिद्ध पुस्तक अष्टाध्यायी भी यही लिखी गई थी। कहा यह जाता है कि महाराजा पत्रक ने अपनी रानी पाटल के नाम पर इस शहर का नाम पटना रखा था वही भविष्य पुराण में महाबली पाली द्वारा अपनी पत्नी पटल के नाम पर इस शहर का नाम पटना रखे जाने का उल्लेख मिलता है। वास्तव में सही क्या है यह तो इतिहासकार ही जाने परन्तु इतना सच है कि पटना में गुरू गोविन्द सिंह 22 दिसम्बर सन 1666 ई0को जन्मे थे। गुरू तेगबहादुर धर्म प्रचार के दौरान आसाम के धुब डी गए थे और माता गुजरी को गर्भवती होने के कारण पटना में विश्राम के लिए छोड गए थे जहां पर माता गुजरी ने गुरू गोविन्द सिंह को जन्म दिया और गुरू गोविन्द सिंह जन्म से सात साल तक पटना में ही रहे। यानि उनका बाल्यकाल पटना में ही बीता। इसी कारण पटना को गुरू का घर भी कहा जाता है।पटना की महिमा स्वयं सिख धर्म के दसवें गुरू गोविन्द सिंह ने की है। जिसका वर्णन उन्होने यूं किया है, तही प्रकाश हमारा भयों ।पटना शहर बिखै भव लयौ ।।पटना गुरू का घर इसलिए भी है क्योंकि यहां गुरू गोविन्द सिंह के नन्हे नन्हे पैरों की अमिट छाप पडी और उनका बचपन यहां बीता।गुरू गोविन्द सिंह के बचपन की स्वर्णिम यादें पटना के ऐतिहासिक श्री हरिमन्दिर साहिब गुरूद्वारें में संजोयी हुई है। जिन्हे निहारने के लिए देश विदेश से बडी संख्या में श्रद्धालु यहां आए दिन पधारते है।यही वह स्थान है जहां पर खालसा पंथ के जन्मदाता सृजनहार का प्रकाश हुआ। जिस तरह श्री ननकाना साहिब में श्री गुरू नानकदेव के अवतार धारण करने के कारण वह स्थान सिखी का मूल है उसी तरह दसवें गुरू गोविन्द सिंह के यहां अवतार लेने के कारण यह स्थान खालसा पंथ का मूल बन गया है। गुरू गोविन्द सिंह के इसी जन्म स्थान पर उनके अनुयायी सिख ने एक यादगार इमारत बनवाईं और इस इमारत का नाम तख्त श्री हरि मंन्दिर साहिब रखा गया जो सिखो का पावन शक्ति का केन्द्र बन गया,इस श्री हरि मन्दिर साहिब भवन का विस्तार सन 1837 ई0 में महाराजा रणजीत सिंह ने करवाया परन्तु सन 1934 में आए भूकम्प से इस गुरूद्वारें की इमारत को भारी क्षति हुई परन्तु सिख धर्म में आस्था रखने वालों ने इस इमारत को ठीक करके आलीशान बना दिया। इस गुरूद्वारे में गुरू तेगबहादुर सिंह और गुरू गोविन्द सिंह दोनो केखडाउ ,वस्त्र व अन्य उपयोग की हुई वस्तुयें दर्शनीय रखी हुई है ।गुरू गोविन्द सिंह की गुलेल,तीर,तलवार के साथ ही उनका पवित्र चोगा जो पहले पाकिस्तान में था को श्री हरिमन्दिर साहिब में दर्शनीय रखा गया है। इस गुरूद्वारे में एक माता का कुआ भी है जिसके बारे में कहा जाता है कि इस कुएं का पानीगुरू गोविन्द सिंह के बाल्यकाल में बहुत मीठा था ।

जिसकारण आस पास के क्षेत्र की महिलायें इस कुएं से पानी भरने आती थी। परन्तु उस समय बालक रहे गुरू गोविन्द सिंह गुलेल से महिलाओं के घडे तोड देते थे। परेशान होकर महिलाओं ने माता गुजरी के कहने पर अपने घडे धातु के बनवा लिए परन्तु गुरू गोविन्द सिंह ने बाल लीला करते हुए तीर से एक महिला का पानी से भरा धातु का घडा भी तोड दिया ।जिससे आहत होकर माता गुजरी ने कुएं का पानी खारा हो जाने का शाप दे दिया इस पर गुरू गोविन्द सिंह ने माता गुजरी को सफाई दी कि जिस महिला का जो घडा उन्होने तोडा है उसमें सांप है और वास्तव में घडे में सांप देखकर सब हैरान रह गए। मौके पर मौजूद सभी ने माता गुजरी से उक्त कुएं का पानी फिर से मीठा कर देने के लिए कहा, जिसपर माता गुजरी ने कहा कि जैसे जैसे यहां संगत आएगी वैसे वैसे इस कुएं का पानी मीठा होता जाएगा। और वास्तव में श्री हरिमन्दिर साहिब में संगत बढने के साथ ही कुएं का पानी मीठा हो गया। तभी से इस कुएं को माता का कुआ कहा जाने लगा और इसी कुएं के पानी से गुरूद्वारे का प्रसाद बनाया जाने लगा।

(चिंतन-मनन)

कठिन काम

एक लड़का महात्मा के पास पहुंचा। लड़का बड़ा शैतान था, उसको देखते ही महात्मा ने भांप लिया। इसलिए मनोवैज्ञानिक ढंग से प्रतिबोध देने के लिए महात्मा बोले- बच्चे! तुम तो बड़े तेज दिखाई देते हो। वह अपनी प्रशंसा सुनकर खुश हुआ और कहने लगा - स्कूल में सब लड़के मुझसे डरते हैं। महात्मा- अच्छा, तुम सरल काम करना चाहते हो या कठिन? लड़का- मैं कठिन से कठिन काम करना चाहता हूं। महात्मा- तुम्हें कोई गाली दे तो तुम क्या करोगे? लड़का- मुझे कोई एक गाली देगा तो उसको दस गाली सुनाऊंगा।

महात्मा- ऐसा करना सरल है या कठिन? लड़का- महात्माजी! यह तो मैं बड़ी आसानी से कर लेता हूं। महात्मा- तुम तो तेज लड़के हो, ऍसा सरल काम क्यों करते हो? लड़का कुछ सकुचाता हुआ बोला- अच्छा, आज से मैं कठिन काम करूंगा। महात्मा- गाली सहना बहुत कठिन है। गाली सुनकर गाली देने वाले बहुत मिलेंगे, पर उस समय खामोश रहने वाले विरले ही होते हैं। लड़का- महात्मा जी! जैसा आपने कहा है, मैं वैसा ही कठिन काम करूंगा। लड़का महात्माजी को वचन देकर आगे चला तो उसे एक दोस्त मिला। उसने एक कंकर उस पर फेंका। वह बालक तिलमिला गया। इतने में उसे महात्मा के शब्द याद आ गए। वह शांत खड़ा रहा। सामने वाला बच्चा यह देखकर दंग रह गया। वह बोला- भैया! मैंने अच्छा नहीं किया, क्षमा करना। ऐसा सुनकर उसने संकल्प कर लिया कि जीवन की स्वस्थता के लिए वह ऍसे ही काम करेगा।

विचार मंथन

चीन और अमेरिका, मोदी पर भारी पड़े?

(लेखक-सनत जैन)

चीन ने लद्दाख की सीमा पर एक बार फिर अवैध रूप से घुसपैठ शुरू कर दी है। भारत के केंद्रशासित प्रदेश लद्दाख में चीन ने नए निर्माण शुरू कर दिए हैं। दो नए गांव बसा दिए हैं। लद्दाख के लोगों को अब अपने पशुओं को चराने में दिक्कत हो रही है। चीन अवैध कब्जा करने के लिए पहले चार कदम चलकर कब्जा करता है। फिर एक या दो कदम पीछे हटकर अवैध कब्जे को पुख्ता करता है, फिर चार कदम आगे बढ़ता है। चीन की यह प्रवृत्ति कई दशकों से देखने को मिलती रही है। इस बार विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने लद्दाख क्षेत्र में जो अवैध कब्जा चीन ने किया है, उस पर नाराजगी जताई है। चीन ने तिब्बत की सीमा पर बह रही ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने का काम शुरू कर दिया है। जिसके कारण भारत के हितों को बाधित करने का काम चीन कर रहा है। लद्दाख के स्थानीय लोग बार-बार केंद्र सरकार को आगाह करते आ रहे हैं। लद्दाख की सीमा पर बड़ी तेजी के साथ चीन अपना अवैध कब्जा बढाता चला जा रहा है। केंद्रीय विदेश मंत्री जयशंकर ने कुछ साल पहले यह कहकर, भारत से अधिक शक्तिशाली चीन है, हम उससे कैसे लड़ाई कर सकते हैं, अपनी कमजोरी बता दी थी। गलवान में चीन ने ज़ब अवैध कब्जा किया था। उस समय भारत सरकार ने यह कह दिया, ना कोई कब्जा हुआ है, ना कोई कब्जा होने देंगे। उसके बाद से ही चीन ने लद्दाख और तिब्बत में धीरे-धीरे अपना कब्जा बढ़ाना शुरू कर दिया। चीन भारत की कमजोरी को समझ गया है। रही सही कसर अब अमेरिका पूरी कर रहा है। पिछले 10 वर्षों में भारत सरकार की विदेश नीति में बड़े बदलाव हुए हैं। व्यापारिक हितों को देखते हुए भारत सरकार ने रूस-चीन और अमेरिका के साथ अपने फायदे के लिए बार-बार नीतियों में बदलाव किया है। भारत की मौका परस्ती के कारण अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप जैसे व्यक्ति राष्ट्रपति बनने के पहले ही भारत के साथ जिस तरह का व्यवहार कर रहे हैं। उससे भारत की चिंता बढ़ना स्वाभाविक है। इसे आसानी से समझा जा सकता है। भारत के लिए अमेरिका में मुसीबत बढ़ना शुरू हो गई है। रूस से जिस तरह के संबंध पहले भारत के थे। अब वह संबंध नहीं रहे। रूस पर जब अमेरिकी प्रतिबंध लगे, भारत ने रूस से सस्ता कच्चा तेल आयात किया, भारी मुनाफा कमाया। यह मुनाफा भारत सरकार को नहीं वरन उनके दो मित्रों को हुआ। रूस और अमेरिका को भारत सरकार ने अपने लाभ के लिए इस्तेमाल किया। जिसके कारण भारत की विश्वसनीयता और भारत के साथ संबंधों पर इसका असर पड़ा। ऐसा लगता है, वर्तमान में कोई भी महाशक्ति भारत सरकार पर विश्वास नहीं कर पा रही है। अमेरिका-रूस और चीन तीनों से भारत के बड़े आर्थिक और व्यापारिक संबंध हैं। भारत सरकार के लिए तीनों महाशक्तियों के साथ विश्वसनीयता का बड़ा संकट खड़ा हो गया है। रही-सही कसर विश्व गुरु बनने के लिए मोदी और ट्रंप में होड़ लग गई है। भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने आप को विश्व गुरु बताते हैं। विश्व गुरु बनने की आकांक्षा अब डोनाल्ड ट्रंप में भी जाग गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति पद के चुनाव के समय नरेंद्र मोदी अमेरिका गए थे। उन्होंने डोनाल्ड ट्रंप से बात करना गंवारा नहीं किया। जबकि डोनाल्ड ट्रंप उनसे संपर्क कर रहे थे। जिसके कारण डोनाल्ड ट्रंप और मोदी के रिश्ते में तनाव आया है। जो बयान अभी डोनाल्ड ट्रंप के आ रहे हैं। उससे स्पष्ट रूप से यह समझ आ रहा है, दोस्त दोस्त ना रहा। रही सही कसर एलन मस्क पूरी कर रहे हैं। वर्तमान स्थिति में भारत सरकार को अपनी विदेश नीति और महाशक्तियों के साथ अपने संबंधों को लेकर पुनर्विचार करने की जरूरत है।

वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है। सारे विश्व में आर्थिक मंदी का नया दौर शुरू हो गया है। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को सोच-समझाकर आगे बढ़ना होगा। यही अब समय की पुकार है।

दाल-अनाज की खपत पांच फीसदी घटी

- भारतीयों की प्राथमिकता पोषण के बजाय साफ-सफाई और खूबसूरत दिखना

नई दिल्ली । भारतीय परिवारों की खर्च प्राथमिकता में पिछले 12 वर्षों में काफी बदलाव आया है। नवीन रिसर्च रिपोर्ट से पता चलता है कि ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में दालों और अनाज की खपत पांच फीसदी से अधिक घटी है। लोग अब खाद्य की बजाय गैर-खाद्य पदार्थों पर ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। रिपोर्ट दर्शाती है कि साफ-सफाई और खूबसूरत दिखने के सौंदर्य प्रसाधनों पर लोग ज्यादा ध्यान दे रहे हैं। कपड़े, जूते जैसी चीजों पर खर्च कम हो रहा है। रिपोर्ट के अनुसार, यह रुझान आर्थिक विकास और जीवनशैली में बदलाव की ओर इशारा कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में खाद्य पदार्थों पर व्यय तेजी से घट रहा है जबकि शहरी क्षेत्रों में यह तेजी से नहीं। पिछले 12 वर्षों में ग्रामीण क्षेत्रों में 5.86 फीसदी अंकों की गिरावट दर्ज की गई। इससे यह स्पष्ट है कि भारतीय परिवारों की प्राथमिकताएं बदल रही हैं, जिसमें खाद्य की खपत कम होने के साथ-साथ गैर-खाद्य पदार्थों पर ध्यान बढ़ रहा है।

बंधन बैंक का तिमाही परिणाम 15 फीसदी बढ़ा

- डिपॉजिट में 20 फीसदी का उछाल

नई दिल्ली । निजी बैंकिंग कंपनी बंधन बैंक ने अपने वित्त साल की तिसरी तिमाही के लिए रिजल्ट जारी कर दिया है। बैंक ने दिसंबर को समाप्त हुई तिमाही में विभिन्न सेक्टर में दरों और आंकड़ों में वृद्धि की जानकारी जारी की है। इस तिमाही में बैंक ने लोन और एडवांस में सालाना 15 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की है, जिससे यह आंकड़ा 1,33,285 करोड़ तक पहुंच गया है। यह एक प्रासंगिक वृद्धि है जो बैंक की समृद्धि को साबित करती है। साल दर साल तिमाही आधार पर बैंक की कुल जमा राशि में 20.1 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो सुझाव देती है कि बैंक की व्यापक वित्तीय सेवाओं की मांग में वृद्धि हुई है। बैंक के सीएएसए जमा में भी 5.5 फीसदी की वृद्धि हुई है, जो एक सकारात्मक चिन्ह है। इस बढ़ोतरी का मुख्य कारण बैंक की वित्तीय सेवाओं में विश्वासनीयता और सुविधा है। बंधन बैंक की सीएएसए रेश्यो अब 31.7 फीसदी है, जो एक साल पहले की स्थिति की तुलना में कम है।

एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी को मिली 1,000 मेगावॉट की सौर परियोजना

- कंपनी को यूपीपीसीएल से परियोजना के आवंटन पत्र का इंतजार

नई दिल्ली । एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी ने उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) से 1,000 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना हासिल कर ली है। एनटीपीसी आरईएल ने 2.56 रुपये प्रति किलोवाट घंटा की दर पर 1,000 मेगावाट क्षमता की परियोजना प्राप्त की है। अभी कंपनी को यूपीपीसीएल से इस परियोजना के आवंटन पत्र का इंतजार है। एनटीपीसी रिन्यूएबल एनर्जी लिमिटेड (एनटीपीसी आरईएल), एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एनजीईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी है। यह यूपीपीसीएल द्वारा आयोजित ई-रिवर्स नीलामी में सफल बोलीदाता के रूप में उभरी है। इस नीलामी का उद्देश्य शुल्क आधारित प्रतिस्पर्धी बोली के जरिये भारत में 2,000 मेगावाट आईएसटीएस-कनेक्टेड सौर पीवी बिजली परियोजनाओं की स्थापना को सौर ऊर्जा डेवलपर का चयन करना था।

वैश्विक संकेत, विदेशी निवेशकों की गतिविधियां तय करेगी शेयर बाजार की चाल: विश्लेषक

- वृहद आर्थिक आंकड़े और रुपये-डॉलर का रुख भी बाजार को प्रभा वत करेगा

मुंबई ।

इस सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों की दिशा वैश्विक रुझानों, विदेशी निवेशकों की गतिविधियों और कंपनियों के तिमाही नतीजों से तय होगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। इस सप्ताह गुरुवार से टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के साथ तिमाही नतीजों का सीजन शुरू होने जा रहा है।

विश्लेषकों का कहना है कि वृहद आर्थिक आंकड़े और रुपये-डॉलर का रुख भी बाजार को प्रभो वित करेगा। एक वरिष्ठ शोध विश्लेषक ने कहा` कि चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजों की शुरुआत इसी सप्ताह होने जा रही है। सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज टीसीएस और टाटा एलेक्सी गुरुवार नौ जनवरी को अपनी वित्तीय नतीजों की घोषणा करेंगी। निवेशकों की निगाह व्यक्तिगत शेयरों के प्रदर्शन पर रहेगी। उन्होंने कहा कि तिमाही नतीजों के बाद बाजार का ध्यान आगामी आम बजट और डोनाल्ड ट्रंप 2.0 प्रशासन के नीतिगत निर्णयों पर रहेगा। उन्होंने कहा कि विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुद्ध बिकवाल रहे हैं, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशक (डीआईआई) लिवाल बने हुए हैं। एफआईआई और डीआईआई के बीच इस तरह का संघर्ष आगे भी जारी रहेगा और यह इस सप्ताह बाजार को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। बाजार के जानकारों ने कहा` कि नए साल के दूसरे सप्ताह को देखते हुए कई प्रमुख घटनाक्रम बाजार की धारणा प्रभावित कर सकते हैं। तिमाही नतीजों की शुरुआत टीसीएस के साथ होगी। तीसरी तिमाही के बेहतर नतीजों से विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निकासी का रुख पलट सकता है।

निफा ग्रुप ने 180 करोड़ की विस्तार योजना बनाई

- कंपनी अमेरिकी कंपनी का अधिग्रहण करेगी

कोलकाता । इंजीनियरिंग और विनिर्माण कंपनी निफा ग्रुप ने अपनी 65वीं वर्षगांठ पर एक निवेश रणनीति पेश की। इसमें अगले दो वर्षों में भारत में परिचालन के लिए 180 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। विस्तार योजनाओं के तहत कंपनी ने एक अमेरिकी कंपनी का अधिग्रहण करने की अपनी योजना की घोषणा की, जिससे उसके सबसे बड़े बाजार में निकटवर्ती उपस्थिति मजबूत होगी तथा 'चीन प्लस वन' रणनीति का लाभ उठाया जा सकेगा। निफा ग्रुप के चेयरमैन ने कहा कि हम इस क्षेत्र के लिए प्रतिबद्ध हैं। पश्चिम बंगाल में दानकुनी और चंदननगर में दो नई परियोजनाएं तथा फाल्टा में एक विस्तार परियोजना संभावित रोजगार अवसर पैदा कर रही हैं। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में हमारे 2,000 से अधिक कर्मचारी और सात परिचालन इकाइयां हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिकी अधिग्रहण के लिए बातचीत चल रही है। कंपनी भारत से 30 से अधिक देशों को उत्पाद निर्यात करती है।

नायरा एनर्जी प्रति दिन एक पेट्रोल पंप जोड़कर अपना खुदरा नेटवर्क बढ़ाएगी

- गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और राजस्थान जैसे राज्यों में विस्तार करने की योजना

नई दिल्ली ।

भारतीय ईंधन खुदरा क्षेत्र की अग्रणी कंपनी नायरा एनर्जी ने इस साल अपने खुदरा नेटवर्क का विस्तार करने के लिए 400 पेट्रोल पंप जोड़ने की योजना बनाई है। नायरा एनर्जी के देशभर में 6,500 से अधिक पेट्रोल पंप हैं, और कंपनी अपने नेटवर्क में लगातार नए पेट्रोल पंप जोड़ रही है। गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और राजस्थान जैसे राज्यों में तेजी से विस्तार करने की योजना बनाई गई है। कंपनी ने बयान में कहा कि वे इस साल 400 नए खुदरा आउटलेट जोड़ने के लिए सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। परिवहन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आक्रामक रूप से विस्तार की योजना के तहत, कंपनी ने नए डीलर शामिल करने और स्थानीय उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए अपने डीलर कार्यक्रम को भी नया रूप दिया है। नायरा एनर्जी देशभर में सुरक्षित और विश्वसनीय परिवहन की आवश्यकता को पूरा करने के लिए जनप्रिय है। इसके साथ ही, कंपनी हाल ही में 4,50,000 टन सालाना के पॉलीप्रॉपिलीन संयंत्र के साथ पेट्रोरसायन क्षेत्र में उतरी है। नायरा एनर्जी के ईंधन स्टेशन ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए विभिन्न प्रकार के उत्पाद और सेवाएं प्रदान करते हैं। इस स्वर्णिम योजना के तहत, नायरा एनर्जी उपभोक्ताओं को उत्कृष्ट और सुरक्षित सेवाएं प्रदान करने के लिए आगे बढ़ रही है।

सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से चार कंपनियों का मार्केट कैप 96,605.66 करोड़ घटा

- शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही

मुंबई ।

पिछले सप्ताह सेंसेक्स की प्रमुख 10 सबसे कीमती कंपनियों में से चार के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 96,605.66 करोड़ रुपये की गिरावट देखी गई। इन में से सबसे अधिक नुकसान एचडीएफसी बैंक को हुआ। बीते सप्ताह टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का बाजार पूंजीकरण गिर गया, वहीं रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, इन्फोसिस, आईटीसी, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत में बढ़ोतरी देखी गई। इन छह कंपनियों का बाजार पूंजीकरण सामूहिक रूप से 82,861.16 करोड़ रुपये बढ़ा। समीक्षाधीन सप्ताह में एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 37,025.46 करोड़ रुपये घटकर 13,37,919.84 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 29,324.55 करोड़ रुपये घटकर 8,93,378.50 करोड़ रुपये, टीसीएस की

बाजार हैसियत 24,856.26 करोड़ रुपये घटकर 14,83,144.53 करोड़ रुपये और एसबीआई का मूल्यांकन 5,399.39 करोड़ रुपये घटकर 7,08,168.60 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के विपरीत रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार पूंजीकरण 41,138.41 करोड़ रुपये बढ़कर 16,93,373.48 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 15,331.08 करोड़ रुपये बढ़कर 5,65,194.18 करोड़ रुपये, एलआईसी का बाजार पूंजीकरण 13,282.49 करोड़ रुपये बढ़कर 5,74,689.29 करोड़ रुपये, इन्फोसिस का मूल्यांकन 9,031.19 करोड़ रुपये बढ़कर 8,04,834.34 करोड़ रुपये, आईटीसी का मूल्यांकन 3,878.63 करोड़ रुपये बढ़कर 6,03,064.44 करोड़ रुपये और भारती एयरटेल का मूल्यांकन 199.36 करोड़ रुपये बढ़कर 9,10,934.58 करोड़ रुपये रहा। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, आईटीसी, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

भारतीय मूल की कंपनियों ने करीब 20 प्रतिशत एच1बी वीजा हासिल किए

- इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) सबसे आगे रही

नई दिल्ली ।

अमेरिका द्वारा जारी किए गए एच1बी वीजाधारकों का करीब एक-पांचवां हिस्सा भारतीय मूल की प्रौद्योगिकी कंपनियों ने हासिल किया है, इसका पता अमेरिकी आव्रजन विभाग के आंकड़ों से चलता है। इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) इस दौरान सबसे आगे रही हैं। अप्रैल-सितंबर, 2024 की अवधि में भारतीय तकनीकी कंपनियों को जारी किए गए कुल 1.3 लाख एच1बी वीजा में से लगभग 24,766 वीजा भारतीय मूल की कंपनियों को जारी किए गए। इनमें से इन्फोसिस ने 8,140 लाभार्थियों के साथ अग्रणी स्थान हासिल किया। उसके बाद टीसीएस (5,274) और एचसीएल अमेरिका (2,953) का स्थान रहा। अग्रणी होने की दिशा में इन्फोसिस के एक अे धिकारी कहते हैं, हमारी जिम्मेदारी उत्कृष्टता की ओर साथ ऊंचाईयों की तरफ जाना है। विभिन्न भारतीय कंपनियां जैसे टेक महिंद्रा, विप्रो, और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, इस चरण में भी उभरती हैं।

इस कार्यक्रम से लाभान्वित होकर, ये कंपनियां न केवल एच1बी वीजाधारकों के लिए सर्वाधिक पसंदीदा नियोक्ताओं में शामिल हो रही हैं, बल्कि अमेरिका में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने की दिशा में भी अग्रणी बन रही हैं। इस कार्यक्रम का भविष्य अमेरिकी कंपनियों के कुशल कार्यकर्मियों की जरूरत पर निर्भर होगा, जबकि उन्हें नियामकीय परिवर्तनों और सार्वजनिक मत को ध्यान में रखते हुए अपने नौकरियों को रक्षित रखने के लिए पहल करनी होगी। टेस्ला के उद्योगपति एलन मस्क ने भी इस कार्यक्रम की महत्वता को स्वीकार किया है और उसे समर्थन दिया है। इस कार्यक्रम से संबंधित मस्क के तांत्रिक कहने पर कंपनियों के लिए अमेरिका में विदेशी कार्यकर्मियों की महत्वपूर्णता को दिखाने की तय हो गई है।

टाटा संस एयर इंडिया को अव्वल दर्जे की एयरलाइन बनाने के लिए प्रतिबद्ध

टाटा समूह ने 2022 में एयर इंडिया का एकाधिकार हासिल किया था

नई दिल्ली । टाटा समूह के चेयरमैन एन चंद्रशेखरन ने एयर इंडिया को ग्लोबल एयरलाइन के रूप में उच्च स्तर पर पहुंचाने की प्रतिबद्धता जताई। उन्होंने बताया कि टाटा समूह ने 2022 में एयर इंडिया का एकाधिकार हासिल किया था। चंद्रशेखरन एनआईटी त्रिची के एक कार्यक्रम में शामिल हुए थे और वहां एयर इंडिया के उपयोगकर्ताओं को एक श्रेष्ठ अनुभव देने की कामना की। चंद्रशेखरन ने कहा, मेरी प्रतिबद्धता है कि हम एयर इंडिया को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ एयरलाइनों में शामिल करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। हम पूरी कोशिश करेंगे कि उड़ान का अनुभव, ग्राहक सेवा, तकनीकी उन्नति और समर्थन सभी मानकों को पूरा करें। उन्होंने मौजूदा दर्शकों से उम्मीद की कि वे एयर इंडिया के ऑर्डर का पालन करने के बारे में बोइंग और एयरबस से अनुरोध करें। एयर इंडिया समूह ने कुल 470 विमानों का ऑर्डर दिया है। टाटा संस ने सेमीकंडक्टर क्षेत्र में लगभग 18 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है और इसमें बड़ा अवसर है। उन्होंने कहा कि हमें सेमीकंडक्टर क्षेत्र में एक पारिस्थितिकी तंत्र को स्थापित करने की दिशा में अग्रसर होना है।

बीते सप्ताह विदेशी बाजारों में गिरावट से तेल-तिलहनों के दाम टूटे

- बिनौला तेल के दाम में भी गिरावट देखने को मिली

नई दिल्ली । पिछले सप्ताह विदेशी बाजारों में खाने के तेलों के दामों में गिरावट की वजह से सभी खाने के तेल-तिलहनों के दाम हानि के साथ बंद हुए। इस दौरान सरसों, मूंगफली, सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन के साथ-साथ बिनौला तेल के दाम में भी गिरावट देखने को मिली। बाजार के जानकार सूत्रों के अनुसार, पाम-पामोलीन के ऊंचे दामों के बीच इन खाद्य तेलों की मांग प्रभावित है। इन खाद्य तेलों के दाम अपने पिछले सप्ताह के मुकाबले 1,200-1,205 डॉलर प्रति टन रहे जिसके कारण सरकार ने आयातित तेलों के आयात शुल्क मूल्य बढ़ाने के बाद विनिमय दरों में वृद्धि की है। इस वृद्धि के कारण आयात के लिए 150 रुपये क्विंटल की ओर महंगाई हुई है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 125 रुपये की हानि के साथ 6,525-6,575 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 250 रुपये की गिरावट के साथ 13,600 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 30-30 रुपये के नुकसान के साथ क्रमशः 2,300-2,400 रुपये और 2,300-2,425 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव क्रमशः 25-25 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,300-4,350 रुपये और 4,000-4,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी प्रकार सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 300 रुपये, 150 रुपये और 275 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 13,100 रुपये, 12,950 रुपये और 9,050 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में पिछले सप्ताहांत के मुकाबले गिरावट देखने को मिली। मूंगफली तिलहन का भाव 125 रुपये की गिरावट के साथ 5,800-6,125 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ, वहीं मूंगफली तेल गुजरात 400 रुपये की गिरावट के साथ 14,000 रुपये क्विंटल और मूंगफली साल्वेंट रिफाइंड तेल का भाव 45 रुपये की गिरावट के साथ 2,125-2,425 रुपये प्रति टिन पर बंद हुआ। कच्चे पाम तेल (सीपीओ) का दाम 350 रुपये टूटकर 12,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। पामोलीन दिल्ली का भाव 450 रुपये की गिरावट के साथ 14,000 रुपये प्रति क्विंटल तथा पामोलीन एक्स कांडला तेल का भाव 400 रुपये की गिरावट के साथ 13,100 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। गिरावट के आम रुख के बीच समीक्षाधीन सप्ताह में बिनौला तेल भी 200 रुपये की गिरावट के साथ 11,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ।

किर्लोस्कर समूह ने सेबी के पत्र के खिलाफ सैट में अपील दायर की

- डीएफएस को लेकर विवाद का मामला

नई दिल्ली ।

प्रसिद्ध भारतीय उद्योगपति परिवार किर्लोस्कर समूह ने अपने 130 साल और तेजी से चल रहे विवाद को एक नया मोड़ देते हुए प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण (सैट) के समक्ष एक अपील दायर की है। चार मुख्य कंपनियों की तरफ से यह अपील दर्ज की गई है- किर्लोस्कर फेरस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, किर्लोस्कर इंडस्ट्रीज लिमिटेड, किर्लोस्कर न्यूमेटिक कंपनी लिमिटेड, और किर्लोस्कर ऑयल इंजन लिमिटेड। इन कंपनियों ने साझेदारी अनुबंध (डीएफएस) के खुलासे का खिलाफ खुलकर सामना किया है और सेबी के उन्हें पेश होने की मांग के खिलाफ अपील की है। इस मामले में परिवार के उभरते विवाद का भी जिक्र किया गया है जिसमें किर्लोस्कर ब्रदर्स लिमिटेड के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक संजय किर्लोस्कर और अतुल किर्लोस्कर एवं राहुल किर्लोस्कर के बीच डीएफएस को लेकर विवाद था। कंपनियों ने डीएफएस के बाध्यता और उन पर एकाधिकार का आरोप लगाया है तथा उन्हें सलाह दी है कि सेबी को पीढ़ीबद्धता के नियम और पारिवारिक समझौतों की जानकारी के लिए उनकी व्यक्तिगत क्षमता में आयी परिवर्तनों से सू चित करें। इन संघर्षों

और अपीलों में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के भूमिका हो सकती है सामने आने वाले परिवर्तनों में महत्वपूर्ण। इसमें सेबी की भूमिका विशेष महत्व रखती है जिसने इन अपीलों के मामले में महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए अवसर पाए। वहीं, प्रतिभूति की भूमिका भी विवादों के सुलझाव में महत्वपूर्ण हो सकती है।

माइक्रोसॉफ्ट एआई और डेटा सेंटर्स में करेगा 80 बिलियन डॉलर का निवेश

निवेश का उपयोग बड़े-बड़े डेटा सेंटर्स बनाने और एआई को और पावरफुल बनाने पर किया जाएगा

नई दिल्ली ।

माइक्रोसॉफ्ट ने वित्तीय वर्ष 2025 में लगभग 80 बिलियन डॉलर का निवेश करने का ऐलान किया है। यह निवेश बड़े-बड़े डेटा सेंटर्स बनाने और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की तकनीक को और पावरफुल बनाने पर किया जाएगा। 2022 में ओपन एआई के चेटजीपीटी लॉन्च होने के बाद एआई की दुनिया में हलचल मच गई है। इसका असर है कि हर कंपनी अपने प्रोडक्ट्स और सर्विसेस में एआई का इस्तेमाल बढ़ा रही है। एआई को चलाने के लिए तेज़ी से काम करने वाले डेटा सेंटर्स की ज़रूरत है, जिनमें हज़ारों चिप्स जुड़े होते हैं। माइक्रोसॉफ्ट ने पहले ही एआई के लिए ठोस निवेश किया है और वित्तीय वर्ष 2025 में कंपनी का पूंजीगत खर्च 84.24 बिलियन डॉलर तक पहुंच सकता है। माइक्रोसॉफ्ट के वाइस चेयरमैन ने बताया कि इस निवेश का अधिकांश हिस्सा अमेरिका में किया जाएगा, जिससे कंपनी की डेटा सेंटर्स की ताकत बढ़ेगी। माइक्रोसॉफ्ट अपने 365 कोपीलॉट को और बेहतर बनाने के लिए एआई मॉडल्स का इस्तेमाल कर रहा है। कंपनी चाहती है कि लागत कम हो और स्पीड बेहतर हो, इसलिए अब यह ओपन एआई के साथ-साथ दूसरे एआई मॉडल्स का भी इस्तेमाल करेगा। माइक्रोसॉफ्ट ने साफ किया है कि यह कदम केवल उनकी साझेदारी को बढ़ाने के लिए है और कंपनी के पास ओपनएआई के मॉडल्स को कस्टमाइज़ करने का अधिकार भी हेगा।

एसयूवी फ्रॉन्क्स में होगा हाइब्रिड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल

नई दिल्ली । अपनी लोकप्रिय एसयूवी फ्रॉन्क्स में मारुति सुजुकी जल्द ही हाइब्रिड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने जा रही है। हाइब्रिड वाहन सेगमेंट में कदम रखते हुए फ्रॉन्क्स न केवल भारतीय बाजार में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता के नए कीर्तिमान स्थापित कर सकती है।

यह कदम कंपनी और कार इंडस्ट्री के लिए एक नया चैप्टर साबित हो सकता है, क्योंकि इससे कार की माइलेज 30 किलोमीटर प्रति लीटर तक बढ़ने की उम्मीद है। मारुति सुजुकी ने अप्रैल 2023 में फ्रॉन्क्स को लॉन्च किया था, और इसने भारतीय बाजार में आते ही धूम मचा दी थी। महज 10 महीनों में 1 लाख से ज्यादा यूनिट्स की बिक्री के साथ यह मॉडल कंपनी का सबसे तेज बिकने वाला एसयूवी बन गया। इसके अलावा, कंपनी ने इसे अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और मिडल ईस्ट जैसे अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी निर्यात करना शुरू कर दिया। अब फ्रॉन्क्स का नया फेसलिफ्ट मॉडल अगले साल या फिर 2026 में लॉन्च हो सकता है, जिसमें हाइब्रिड टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होगा। इस टेक्नोलॉजी के साथ नया झेड12ई इंजन जोड़ा जाएगा, जो स्विफ्ट के नए वेरिएंट में पहली बार दिखेगा। यह इंजन बेहतर फ्यूल एफिशिएंसी (30+केएमपीएल) और ईको-फ्रेंडली होगा।

मारुति सुजुकी ने पहले ही ग्रैंड विटारा और अर्बन क्रूज़र हायरायडर के हाइब्रिड वर्जन में सफलता हासिल की है, और फ्रॉन्क्स फेसलिफ्ट के बाद कंपनी अगले कुछ सालों में बलेनो और एक कॉम्पैक्ट एमपीवी को भी हाइब्रिड वेरिएंट में लॉन्च करने की योजना बना रही है। 2027 तक, कंपनी अपनी नई स्विफ्ट हायब्रिड को बाजार में लाने का लक्ष्य रखती है। मारुति की एचईवी सिस्टम को सरल और किफायती बनाने पर जोर दिया गया है। यह निसान की ई-पॉवर टेक्नोलॉजी जैसी होगी, जिसमें पेट्रोल इंजन मुख्य रूप से बैटरी चार्ज करने के लिए काम करता है, जिससे माइलेज बेहतर होती है। अपडेटेड फ्रॉन्क्स में हाइब्रिड टेक्नोलॉजी के साथ डिजाइन में मामूली बदलाव और इंटीरियर्स में नए फीचर्स जोड़े जाने की उम्मीद है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑस्ट्रेलिया ने पांचवां टेस्ट छह विकेट से जीतकर एक दशक बाद बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी पर कब्जा किया

डब्लयूटीसी फाइनल के खिताबी मुकाबले में भी पहुंची, भारतीय टीम बाहर हुई

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने यहां पांचवे और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को 6 विकेट से हराकर पांच मैचों की बॉडर गावस्कर सीरीज 3-1 से जीत ली है। एक दशक बाद मेजबान टीम बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी जीतने में सफल हुई है। इसी के साथ ही जहां ऑस्ट्रेलियाई टीम दक्षिण अफ्रीका के साथ आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लयूटीसी) 2025 के खिताबी मुकाबले में पहुंच गयी है। वहीं भारतीय टीम बाहर हो गयी है। इस मैच में कप्तान रोहित शर्मा के बाहर रहने पर जसप्रीत बुमराह की कप्तानी में उतरी भारतीय टीम एक बार फिर बल्लेबाजी में विफल रहने के कारण मैच हार गयी। मैच के तीसरे ही दिन के दूसरे सत्र में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने जीत के लिए मिले 162 रनों के लक्ष्य को चार विकेट के नुकसान पर ही हासिल कर लिया। इस प्रकार ऑस्ट्रेलिया ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी एक दशक के बाद 3-1 से जीतते हुए विश्व टेस्ट चैम्पियनशिनप के लिए क्वालीफाई किया है। अब वह लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर 11 जून से दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ डब्लयूटीसी फाइनल में उतरेगी।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरी पारी में तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने बुमराह के कमर दर्द के कारण बाहर होने पर 3 विकेट लिए पर वह मेजबान टीम को रोक नहीं पाये। 162 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम ने 4 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। इस मैच में ट्रेविस हेड ने 38 गेंदों में 4 चौके के बल पर नाबाद 34 रन बनाये जबकि ब्यू वेबस्टर ने 34 गेंदों में 6 चौके लगाकर नाबाद 39 रन बनाकर भारतीय गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया।

भारतीय गेंदबाजों ने सुबह के सत्र में तीन विकेट लिए पर छोटे लक्ष्य का बचाव वह नहीं कर पाये। मोहम्मद सिराज ने लगातार पैड पर गेंदबाजी की जिससे मेजबान टीम ने आसानी से रन बनाए। सेम कोंस्टास ने तेजी से रन बनाये पर कृष्णा की गेंद पर मिड ऑफ पर वाशिंगटन सुंदर के हाथों कैच हुए। कृष्णा ने इसके बाद अपनी लाइन और लेंथ से लाबुशेन को परेशान किया। को आसान कैच थमाया। स्मिथ को कृष्णा की गेंद पर यशस्वी जायसवाल ने कैच किया। इस तरह से कृष्णा ने सलामी बल्लेबाज सैम कोंस्टास 22, मार्नस लाबुशेन 06 और स्टीव स्मिथ 04 को पेवेलियन भेज दिया पर बुमराह के नहीं होने से भारतीय टीम को नुकसान हुआ। नीतीश कुमार रेड्डी और वाशिंगटन सुंदर ज्यादा प्रभावी नहीं रहे। भारत इससे पहले 2014 में बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी हारी थी। उसके बाद से लगातार उसने 4 बार सीरीज अपने नाम की, जिसमें से दो बार ऑस्ट्रेलियाई मैदान पर उसने इतिहास रचा था।

वहीं इससे पहले स्कॉट बोलैंड ने छह विकेट और कप्तान पैट कमिंस ने 44 रन पर तीन विकेट लेकर दूसरी पारी में भारतीय टीम को 39.5 ओवर में केवल 157 रन पर ही समेट दिया। केवल ऋषभ पंत ही 61 और सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ही 22 रन बना पाये अन्य बल्लेबाज विफल रहे। भारतीय टीम ने पहले पारी में 185 जबकि दूसरी पारी में 157 रन बनाये वहीं मेजबान टीम ने 181 और चार विकेट पर 162 रन बनाकर मैच जीत लिया।

ये मेरी या आपकी नहीं बल्कि देश की टीम : गंभीर

सिडनी (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम ऑस्ट्रेलिया ने खिलाफ बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में मिली हार पर निराशा जतायी है। मेजबान टीम ने सीरीज 3-1 से जीतकर एक दशक के बाद इस ट्रॉफी पर कब्जा किया है। इसे को लेकर जब कोच गौतम गंभीर से कहा गया कि आपकी टीम हार गयी तो वे बोले कि ये मेरी या आपकी नहीं बल्कि भारतीय टीम है।

गंभीर ने मीडिया से कहा, देखिए ये ना मेरी टीम है और ना आपकी टीम है. ये हमारे देश की टीम है। इस टीम को आगे लेकर जाना ही हमारा एक मात्र लक्ष्य है। भारतीय टीम के सभी खिलाड़ी ईमानदार हैं और मैं अपने को खुशकिस्मत मानता हूं जो ऐसी टीम के साथ काम कर रहा हूं। खिलाड़ियों को पता है कि उनके अंदर जीत की कितनी भूख है और इससे टीम को कितना लाभ पहुंचने वाला है। वे भी टीम की भलाई के लिए कम करने हमेशा तैयार रहते हैं। कोच के तौर पर मेरा काम सबके साथ एक जैसा बर्ताव करना है। अगर मैं किसी एक दो खिलाड़ी के साथ अच्छा व्यवहार करता हूं और अन्य के साथ अलग तरह से व्यवहार करता हूं तो यह मेरे काम के साथ न्याय नहीं होगा। कोच के तौर पर मेरा काम हर एक खिलाड़ी चाहे वो नया हो या सीनियर या फिर वो जिसने अब तक भारत के लिए नहीं खेला के साथ समाना व्यवहार करना रहेगा। भारतीय टीम सीरीज के पहले मैच को छोड़कर अन्य सभी मैचों में बड़ा स्कोर बनाने में विफल रही। उसके प्रमुख बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली भी सीरीज में रन नहीं बना पाये जिससे टीम के अन्य बल्लेबाजों पर भी दबाव रहा।

टीम इंडिया का कप्तान बनना आसान नहीं, सम्मान और दबाव झेलने पड़ते हैं : रोहित

–बुमराह की कप्तानी की जमकर तारीफ, नए खिलाड़ी स्थान के महत्व को पहचाने

मेलबर्न, (एजेंसी)। सिडनी में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चल रहे 5वें टेस्ट मैच में कप्तान रोहित शर्मा को आराम दिया गया है। उनकी जगह जसप्रीत बुमराह टीम की कमान संभाल रहे हैं। रोहित शर्मा ने टीम में शामिल नए खिलाड़ियों को महत्वपूर्ण संदेश दिया और बुमराह की कप्तानी की जमकर तारीफ की। रोहित ने नए खिलाड़ियों के नेतृत्व क्षमता को लेकर कहा कि टीम इंडिया का कप्तान बनना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी हर किसी को थाली में परोसकर नहीं मिलती है। इसे कमाना पड़ता है। यह सम्मान और दबाव दोनों के साथ आता है। नए खिलाड़ियों को स्थान के महत्व को पहचानना होगा।

बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में रोहित शर्मा की बल्लेबाजी फॉर्म पर सवाल उठे हैं। उन्होंने कहा कि खराब फॉर्म और आलोचना का सामना करना खेल का हिस्सा है। कप्तानी को लेकर उन्होंने कहा कि नेतृत्व में हर दिन अच्छा नहीं हो सकता, लेकिन विचारधारा और मानसिकता को स्थिर रखना जरूरी है। परिणाम भले न आएं लेकिन नेतृत्व के अपने तरीके और दृष्टिकोण को बदलने का कोई कारण नहीं है। बुमराह की कप्तानी को लेकर रोहित ने तारिफ की। उन्होंने कहा कि बुमराह खेल के प्रति गहरी समझ रखते हैं। वह दूसरों के लिए अपनी गेंदबाजी से उदाहरण पेश करते हैं। मैंने उन्हें 2013 में पहली बार देखा था और तब से उनके खेल और सोच में काफी विकास हुआ है। जिस तरह वह गेंदबाजी करते हैं, वह पूरी दुनिया देख रही है। उनके पास टीम को आगे रखने की बेहतरीन क्षमता है।

न्यूजीलैंड ने श्रीलंका को पहले एक दिवसीय मैच में नौ विकेट से हराया

वेलिंगटन (एजेंसी)। मैट हेनरी (चार विकेट) की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद विल यंग (नाबाद 90) रनों की बेहतरीन पारी के दम पर न्यूजीलैंड ने रविवार को पहले एकदिवसीय मैच में श्रीलंका को 142 गेंदे शेष रहते नौ विकेट से हरा दिया। इसी के साथ न्यूजीलैंड ने तीन मैचों की सीरीज में 1-0 से बढ़त बना ली है। 19 रन देकर चार विकेट झटकने वाले न्यूजीलैंड के मैट हेनरी को 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया।

श्रीलंका के 178 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी न्यूजीलैंड की विल यंग और रचिन रविंद्र की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिए 93 रन जोड़े। 13वें ओवर में चामिंदु विक्रमासिंघे ने रचिन रविंद्र को हसरंगा के हाथों कैच आउट कराकर इस साझेदारी को तोड़ा। रचिन रविंद्र ने 36 गेंदों में छह चौके और एक छक्का लगाते हुए (45) रनों की पारी खेली। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये मार्क चैपमैन ने विल यंग के साथ शानदार बल्लेबाजी का मुजाहिरात हुए दूसरे विकेट लिए अविजित 87 जोड़कर अपनी टीम को महज 26.2 ओवरों में 180 रन बनाकर नौ विकेट से जीत दिला दी। विल यंग ने 86 गेंदों में (90) और मार्क चैपमैन 36 गेंदों में (29) रन बनाकर नाबाद रहे। श्रीलंका की ओर से एकमात्र विकेट चामिंदु विक्रमासिंघे को मिला।

इससे पहले आज यहां न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बेहद खराब रही और उसने 23 के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिये। पथुम निसंका (नौ), कुसल मेंडिस (दो), कामिंदु मेंडिस (तीन) और कप्तान चरित असलंका (शून्य) पर आउट हुये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये जनित लियानगे ने अविष्का फर्नांडो के साथ पारी को संभाला।

26वें ओवर में मिचेल सैंटनर ने लियागने (36) को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। इसके बाद स्मिथ ने अविष्का फर्नांडो 63 गेंदों में 56 रन को आउटकर पवेलियन भेज दिया। चामिंदु विक्रमासिंघे (22), वानिंदु हसरंगा (35), एहसान मलिंगा (चार) और असिता फर्नांडो (दो) रन बनाकर आउट हुये। न्यूजीलैंड के गेंदबाजी आक्रमण के आगे श्रीलंका की पूरी टीम 42.4 ओवर में 178 के स्कोर पर सिमट गई। न्यूजीलैंड की ओर से मैट हेनरी ने चार विकेट लिये। जेकब डफी और नेथन स्मिथ को दो-दो विकेट मिले। मिचेल सैंटनर ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

साइम अयूब की टखने की चोट, चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने की आशंका

कराची । पाकिस्तान के युवा सलामी बल्लेबाज साइम अयूब दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट मैच में टखने की चोट के कारण छह सप्ताह के लिए क्रिकेट से बाहर हो गए हैं। इस चोट के कारण उन्हें आगामी आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी से बाहर होने का खतरा हो सकता है। साइम ने केपटाउन में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच के पहले दिन बाउंड्री पर फील्डिंग करते समय अपने दाहिने टखने में चोट लगा ली थी, जिससे उनकी हालत गंभीर हो गई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने शनिवार को एक आधिकारिक बयान जारी करते हुए इस चोट की पुष्टि की और बताया कि साइम का एमआरआई और अन्य परीक्षण किए गए हैं। चिकित्सकों ने उन्हें छह सप्ताह के आराम की सलाह दी है, जिसके कारण वह फरवरी में होने वाली क्रिकेट श्रृंखलाओं में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। यह चोट साइम के लिए काफी दुखदायी साबित हो सकती है, क्योंकि उनके शानदार प्रदर्शन के कारण उन्हें आगामी टूर्नामेंट्स में अहम भूमिका निभाने की उम्मीद थी।

रोहित की तरह दो दशक पहले गांगुली भी मैच से हटे थे

सिडनी (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर बैठने से साल 2004 याद आ गया। उस समय भी कप्तान रहे सौरव गांगुली ने पिच देखने के बाद खेलने से मना कर दिया था। गांगुली ने जहां फिटनेस के आधार पर वहीं रोहित ने खराब फार्म के नाम पर टीम से बाहर बैठने का फैसला किया था। इससे साफ है कि दोनो को पिच देखकर समझ आ गया था कि यहां सफल होना उनके लिए कठिन है। रोहित ने इस प्रकार दिखाया कि टीम के केवल उनके कारण ही नहीं हार रही थी बल्कि इसके पीछे सभी की विफलता थी। इसके अलावा वह एक और असफल टेस्ट अपने रिकॉर्ड में नहीं जोड़ना चाहते थे। अंतिम मैच में भारतीय पहली पारी 185 और दूसरी पारी 157 रन ही बना पायी। वहीं दो दशक पहले साल 2004 में नागपुर में भारतीय टीम तीसरा टेस्ट खेलने पहुंची थी। तब सीरीज में ऑस्ट्रेलिया 1-0 से आगे थी। नागपुर पहुंचते ही जब भारतीय टीम अभ्यास के लिए मैदान पर पहुंची तो पिच पर हरियाली देखकर कप्तान रहे गांगुली भड़क गये। इसके बाइ भारतीय बोर्ड ने पिच को लेकर नाराजगी जतायी लेकर उसे बदला नहीं जा सका। इसके बाद गांगुली ने हैमस्ट्रिंग इंजरी को कारण बताते हुए मैच खेलने से इंकार कर दिया। उस समय भी भारतीय टीम मैच तीन दिन में हार गई। ऐसे में जिस प्रकार तब गांगुली का फिटनेस की वजह से बाहर मैच ना खेलना हमेशा सवालों के घेरे में रहा वैसे ही रोहित का भी फॉर्म के नाम पर बाहर रहना सवालों के घेरे में रहा। ये भी कहा जाता है कि कार्यवाहक कप्तान अधिक प्रभावी नहीं होता, इसलिए कप्तान चाहे फार्म में न भी रहे उसे खेलना ही चाहिये।

दक्षिण अफ्रीका के रनो के पहाड़ में दबा पाकिस्तान, तीन विकेट सस्ते में गंवाये

केपटाउन (एजेंसी)। साउथ अफ्रीका ने न्यूलैंड्स में पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट में अपना दबदबा बना लिया है। पहली पारी में 615 रनों का विशाल स्कोर बनाया और दूसरे दिन स्टंप तक मेहमान टीम के तीन विकेट झटक लिए हैं। पाकिस्तान 551 रनों से पीछे है और अपनी पहली पारी में 64/3 का स्कोर बना लिया है। मेहमान टीम पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है।

रयान रिकेल्टन दिन के स्टार रहे, जो न्यूलैंड्स में सर्वोच्च व्यक्तिगत स्कोर से चूक गए। रिकेल्टन ने 259 रन की शानदार पारी खेली। काइल वेरिन ने अपना चौथा टेस्ट शतक बनाया, लेकिन 105 रन बनाकर आउट हो गए। मार्को यानसन ने भी दमदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सिर्फ 42 गेंद पर तूफानी अर्धशतक जड़ा। छह चौकों और तीन छक्कों की मदद से यानसन ने 62 रन बनाए।

कगिसो रबाडा ने 35 गेंद पर चार चौके और दो छक्कों की मदद से 40 रन की पारी खेली। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने कड़ी मेहनत की, लेकिन सपाट पिच और जमे हुए बल्लेबाजों ने उनके प्रयासों को बेकार कर दिया। मोहम्मद अब्बास ने एक बार फिर गेंद से कमाल दिखाया और तीन विकेट चटकाए और पाकिस्तान के लिए टेस्ट क्रिकेट में 100 विकेट पूरे किए।

पाकिस्तान पर फॉलोऑन का खतरा

मेहमान टीम की मुश्किलें बल्ले से भी जारी रहीं। सैम अयूब के चोटिल होने के कारण पहले से ही एक खिलाड़ी की कमी से जूझ रही शान मसूद की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। यानसन ने अब्दुल्ला शफीक और मुहम्मद गुलाम को जल्दी-जल्दी आउट किया, जबकि कगिसो रबाडा ने सऊद शकील को शून्य पर आउट किया। शुरुआती तीन विकेट जल्दी गिरने से पाकिस्तान का स्कोर 20/3 हो गया।

बाबर और रिजवान पर जिम्मेदारी

टेस्ट क्रिकेट में पहली बार ओपनिंग कर रहे बाबर आजम ने स्टंप्स से पहले मोहम्मद रिजवान के साथ मिलकर टीम को संभालने की जिम्मेदारी उठाई है। बाबर आजम 31 और रिजवान 9 रन बनाकर नाबाद लौटे। हालांकि, साउथ अफ्रीका गेंदबाजों की लय में होने के कारण पाकिस्तान पर फॉलोऑन का खतरा मंडरा रहा है।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पुरस्कार वितरण समारोह में नहीं बुलाये जाने से गावस्कर नाराज

सिडनी । महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के पुरस्कर वितरण समारोह के लिए नहीं बुलाये जाने पर नाराजगी जतायी है। गावस्कर ने कहा कि उनके और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान एलन बॉर्डर के नाम पर ये ट्रॉफी खेली गयी। इसके बाद भी क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने मुझे नहीं बुलाया। गावस्कर इस दौरान स्टेडियम में ही थे। गावस्कर ने कहा कि अपने दोस्त बॉर्डर के साथ इस ट्रॉफी को प्रदान कर उन्हें खुशी होती। उन्होंने कहा कि बेहतर खेलने वाली टीम जीतती है। इसलिए उन्हें ट्रॉफी देने में कोई परेशानी नहीं थी। ऑस्ट्रेलिया ने पांचवें और आखिरी टेस्ट में भारत को छह विकेट से हराकर एक दशक के बाद ये ट्रॉफी जीती है। गावस्कर ने कहा, ' मुझे पुरस्कार समारोह में शामिल होकर खुशी होती। यह बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी है और ऑस्ट्रेलिया और भारत से जुड़ी है। मैं मैदान पर ही था। मुझे फर्क नहीं पड़ता कि ट्रॉफी ऑस्ट्रेलिया को दी जा रही थी। उन्होंने बेहतर क्रिकेट खेला और जीते। केवल एक भारतीय हूं होने के कारण मुझे नहीं बुलाया गया है।'' भारत और ऑस्ट्रेलिया 1996-97 से बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेल रहे हैं।

सिडनी पिच पर गावस्कर का तंज, कहा- भारत में ऐसा होता तो हंगामा मच जाता

सिडनी । भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में खेले जा रहे 5वें टेस्ट मैच में पिच को लेकर सवाल उठाए हैं। गावस्कर ने कहा कि इस पिच पर जो हालात हैं, उन्हें आदर्श टेस्ट पिच नहीं कहा जा सकता। उन्होंने चिंता जताई कि इस पिच पर पहले दिन 11 विकेट गिरे और दूसरे दिन 15 विकेट गिर गए, लेकिन इसके बारे में कोई सवाल नहीं उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, क्या यह खेल भारत में हो रहा है? अगर भारत में एक दिन में 15 विकेट गिरते, तो पूरे क्रिकेट जगत में हंगामा मच जाता। गावस्कर ने कहा, हम हमेशा विदेशी परिस्थितियों में खेलते हैं, लेकिन कभी कोई शिकायत नहीं करते। जब हम भारत में खेलते हैं, तो लोग हमारे पिचों पर सवाल उठाते हैं। क्या आपने कभी भारत के किसी पूर्व क्रिकेटर को पिच की शिकायत करते सुना है? हम हारते हैं, तो हारते हैं, लेकिन विदेशों में घरेलू टीमों को हराना बहुत मुश्किल होता है। गावस्कर ने यह भी कहा कि पिच पर इतनी घास थी कि वह बिल्कुल आदर्श टेस्ट मैच पिच नहीं लग रही थी। उन्होंने कहा, अगर बारिश नहीं होती, तो मुझे नहीं लगता कि हम चौथे दिन तक यहां खेलते रहते। इस पिच पर पिच और गेंदबाजों के लिए कोई अनुकूलता नहीं है।

ऋषभ को पहली पारी में रक्षात्मक खेलते देखकर हैरानी हुई : मैकडोनाल्ड

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के मुख्य कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने कहा है कि भारतीय टीम के बल्लेबाज ऋषभ पंत को पहली पारी में रक्षात्मक अंदाज में खेलते हुए देखकर उन्हें हैरानी हुई थी। मैकडोनाल्ड के अनुसार दूसरी पारी में उनकी आक्रामक बल्लेबाजी से भी वह परेशान नहीं हुए थे क्योंकि ये उनका स्वाभाविक अंदाज है। ऋषभ ने पहली पारी में 98 गेंदों में 40 रन बनाए थे। इस बल्लेबाज ने इस पारी के बाद कहा था कि मैच के हालातों को देखते हुए वह आक्रमण करने के लिए नहीं जा सकते थे। इस बल्लेबाज ने हालांकि दूसरी पारी में विपरीत अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए मिचेल स्टार्क की लगातार गेंदों पर बड़े छक्के लगाये। उन्होंने स्कॉट बोलैंड और ब्यू वेबस्टर को भी जमकर पीटा। मैकडोनाल्ड ने कहा कि कि ऋषभ दूसरी पारी की बल्लेबाजी को देखकर कोई हैरानी नहीं हुई पर हम पहली पारी में उनकी बल्लेबाजी से थोड़े हैरान थे। उसके पास गेंदबाजों पर दबाव बनाने की पर्याप्त क्षमता है। ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी में इस बल्लेबाज को 61 रन पर आउट कर भारतीय टीम पर दबाव बना दिया था। मैकडोनाल्ड ने कहा कि हमने उसके खिलाफ योजना बनायी थी, हमने इस सीरीज के लिए उसके लिए योजना बनायी थी पर हम इस दौरान कई बार अपनी योजनाओं से भटक रहे थे और उसे बाउंड्री लगाने से रोकने की कोशिश कर रहे थे। यह एक ऐसी पारी थी जिसके बारे में आप कहेंगे कि यह उस समय के लिए सही थी। इस दौरे पर अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली असफल रहे और नौ पारियों में 8 बार ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद पर कैच हुए। इसी को देखते हुए ही उन्होंने विराट के ऑफ स्टंप के बाहर गेंदबाजी करने को कहा था। विराट इस सीरीज में चार बार स्कॉट बोलैंड का शिकार बने। उन्होंने कहा कि मैं कोहली के खिलाफ योजना को अमल में लाने का पूरा श्रेय गेंदबाजों को दूंगा। योजना बनाना एक बात है, लेकिन फिर उसे मैदान पर उतारना दूसरी बात है। इससे कोहली दबाव में आ गये हालांकि उन्हें आउट करना अभी भी आसान नहीं रहा।

मुक्केबाजी को ओलंपिक में बनाए रखने के लिए सभी उचित कदम उठाए जाने चाहिए: लवलीना

नई दिल्ली (एजेंसी) । गुवाहाटी - मुक्केबाजी का जब ओलंपिक खेल के रूप में भविष्य अधर में लटका हुआ है तब भारत की स्टार मुक्केबाज लवलीना बोरगोहेन ने रविवार को इस खेल को 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलंपिक खेलों में बनाए रखने के लिए सभी उचित कदम उठाने की अपील की। मुक्केबाजी को लॉस एंजिल्स ओलंपिक के शुरुआती कार्यक्रम में जगह नहीं मिल पाई और इस खेल को ओलंपिक में बनाए रखने के लिए प्रयास जारी हैं। लवलीना अब विश्व मुक्केबाजी (वर्ल्ड बॉक्सिंग) की नवगठित एशियाई इकाई के एथलीट आयोग का हिस्सा हैं।

लवलीना ने (भारतीय खेल प्राधिकरण) कहा, 'इस समिति में होना सौभाग्य की बात है क्योंकि निर्णय लेने में अब भारत की आवाज भी सुनी जाएगी।' उन्होंने कहा कि मुक्केबाजी की तकनीकी पहलुओं विशेष रूप से 'स्कोरिंग और जजिंग' की निष्पक्ष आत्मनिरीक्षण करने की आवश्यकता है। लवलीना ने कहा, 'अभी तक भारत सिर्फ एक सामान्य सदस्य था जिसके पास विरोध जताने या व्यवस्था में खामी बताने के बहुत कम मौके होते थे। यह अब बदलने जा रहा है क्योंकि एशियाई निकाय में हमारे पास सात पद होंगे।'

उन्होंने कहा, 'यह उन खिलाड़ियों के लिए बहुत फायदे वाली बात है जो अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और ओलंपिक पदक जीतना चाहते हैं। मुक्केबाजी को लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलों में बनाए रखने के लिए सभी उचित कदम उठाए जाने चाहिए।' मुक्केबाजी को अगर लॉस एंजिल्स ओलंपिक में शामिल किया जाता है तो लवलीना लगातार तीसरी बार इन खेलों का हिस्सा बनना चाहती हैं। उन्होंने 2021 में तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था लेकिन पिछले साल पेरिस ओलंपिक से उन्हें खाली हाथ वापस लौटना पड़ा था।

लवलीना ने कहा, 'तोक्यो ओलंपिक का आयोजन कोविड के समय हुआ था जबकि पेरिस ओलंपिक सीखने का दौर था। मैंने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और मुझे इसका कोई मलाल नहीं है कि मैं पदक नहीं जीत पाई। प्रत्येक खिलाड़ी को कुछ नए सबक सिखाने के लिए मिलते हैं और लॉस एंजिल्स में मैं अधिक समझदारी के साथ आगे बढ़ना चाहती हूं।' उन्होंने कहा, 'लेकिन मैं अपनी तैयारियों में जल्दबाजी नहीं करूंगी। लॉस एंजिल्स ओलंपिक में अभी काफी समय है। अभी उचित वजन बनाए रखना और चोट से बचना मेरी योजनाओं में शामिल हैं। मैं अभी उत्तराखंड में होने वाले राष्ट्रीय खेलों से आगे के बारे में नहीं सोच रही हूं।'

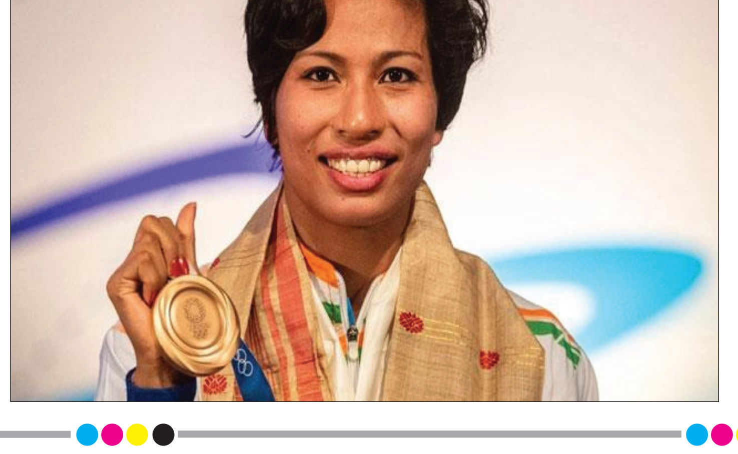

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

रामायण कोई कहानी नहीं इतिहास है

रामायण एक आध्यात्म से जुड़ा इतिहास है इसमें भारतीय संस्कृति के अद्भुत गुण देखने को मिलते हैं और कहीं-कहीं आश्चर्यचकित कर देने वाली घटनाओं का वर्णन किया गया है।

रामायण में वर्णित रावण द्वारा श्रीलंका जाते समय पुष्पक विमान का मार्ग, उस मार्ग में कौन सा वैज्ञानिक रहस्य छिपा है। रावण ने पंचवटी (नासिक, महाराष्ट्र) से सीता का अपहरण किया और हम्पी (कर्नाटक), लेपाक्षी (आंध्र प्रदेश) के माध्यम से श्रीलंका पहुंचा। आश्चर्य होता है जब हम आधुनिक तकनीक से देखते हैं कि नासिक, हम्पी, लेपाक्षी और श्रीलंका एक सीधी रेखा में हैं। यह पंचवटी से श्रीलंका तक का सबसे छोटा मार्ग है। अब आप सोचते हैं कि उस समय कोई व्ध्धिधद्दद्यद्द मैप नहीं था जो सबसे छोटा रास्ता बताता हो। फिर, उस समय यह कैसे पता चला कि सबसे छोटा और सीधा मार्ग कौन सा है? या भारत के विरोधियों की संतुष्टि के लिए भी, मान लें कि रामायण केवल एक महाकाव्य है, जिसे वाल्मीकि ने लिखा था, तो मुझे बताएं कि उस समय भी कोई मानचित्र नहीं था, वाल्मीकि, जिन्होंने रामायण लिखा था, कैसे आए थे? पता है कि पंचवटी से श्रीलंका शॉर्ट कट है? वाल्मीकि ने सीता हरण के लिए केवल उन्हीं स्थानों का उल्लेख किया है, जो पुष्पक विमान का सबसे छोटा और सबसे सीधा मार्ग था। यह ठीक उसी तरह है जैसे 500 साल पहले गोस्वामी तुलसीदास जी को पता था कि पृथ्वी से सूर्य की दूरी कितनी है? (जुग सहस्त्र योजन पर भानु= 152 मिलियन किमी - हनुमानचालीसा), जबकि नासा ने इस दूरी का पता कुछ साल पहले ही लगाया था।

पंचवटी वह स्थान है जहां श्री राम, सीता और लक्ष्मण वनवास के दौरान रहे थे। यहीं पर शूर्पणखा आई और लक्ष्मण से शादी करने के लिए उपद्रव करने लगी। लक्ष्मण को शूर्पनखा की नाक काटने के लिए मजबूर किया गया था, अर्थात हम आज इस स्थान को नासिक (महाराष्ट्र) के रूप में जानते हैं। पुष्पक विमान में, सीता ने नीचे देखा और देखा कि एक पहाड़ की चोटी पर बैठे कुछ बंदर जिज्ञासा से ऊपर की ओर देख रहे थे, सीता ने अपने वस्त्र के कोर को फाड़ दिया और अपने कंगन बांध दिए और राम को ढूंढने में मदद करने के लिए उन्हें नीचे फेंक दिया। जिस स्थान पर सीता ने इन आभूषणों को वानरों के लिए फेंका था, वह 'ऋष्यमुक पर्वत' था जो हम्पी (कर्नाटक) में वर्तमान में स्थित है। इसके बाद, वृद्ध जटायु ने रोते हुए सीता को देखा, देखा कि एक दानव एक महिला को जबरन अपने विमान में ले जा रहा था। सीता को मुक्त करने के लिए जटायु ने रावण से युद्ध किया। रावण ने जटायु के पंखों को तलवार से काट दिया। इसके बाद, जब राम और लक्ष्मण सीता को खोजने के लिए पहुंचे, तो उन्होंने पहला पता दिया कि उस स्थान का नाम 'लेपाक्षी' (आंध्र प्रदेश) है।

यह महर्षि वाल्मीकि द्वारा लिखित एक सच्चा इतिहास है। जिसके सभी वैज्ञानिक प्रमाण आज उपलब्ध हैं। इसीलिए जब भी कोई वामपंथी हमारे इतिहास, संस्कृति, साहित्य को पौराणिक कथा कहकर या खुद को विद्वान बताकर लोगों को भ्रमित करने की कोशिश करता है, तो उसे पकड़कर उससे इन सवालों के जवाब मांगे। यकीन मानिए आप एक भी जवाब नहीं दे पाएंगे। इस सब में आपकी जिम्मेदारी कहां है? आपके हिस्से की जिम्मेदारी यह है कि जब आप टीवी पर रामायण देखते हैं, तो यह मत सोचिए कि कहानी चल रही है, बल्कि यह भी ध्यान रखें कि यह हमारा इतिहास है। इस दृष्टि से रामायण को देखें और समझें। इसके अलावा, हमारे बच्चों को यह दृष्टि देना आवश्यक है, यह कहते हुए कि बच्चों के लिए यह एक कहानी नहीं है, यह हमारा इतिहास है।

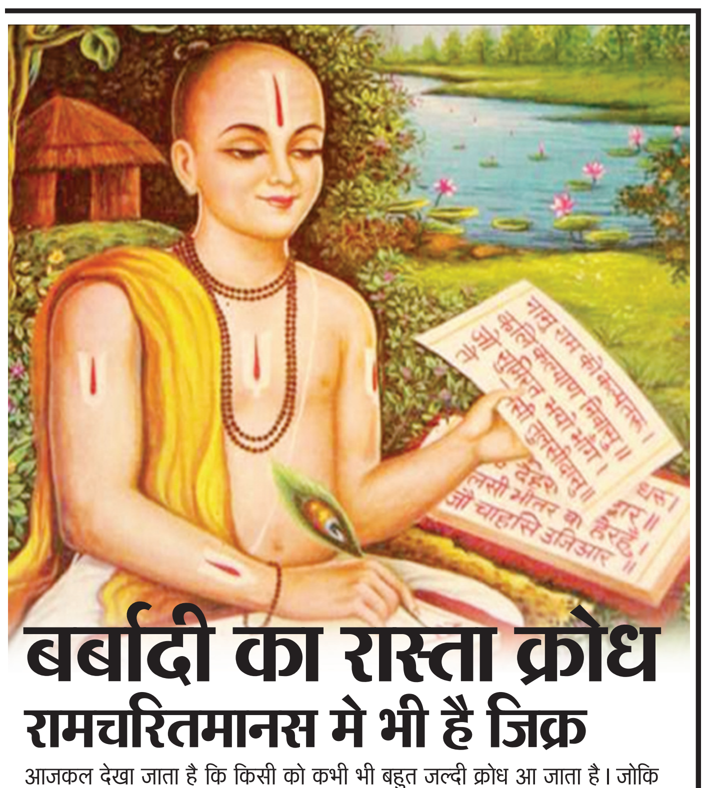

बर्बादी का रास्ता क्रोध
रामचरितमानस मे भी है जिक्र

आजकल देखा जाता है कि किसी को कभी भी बहुत जल्दी क्रोध आ जाता है। जोकि सही नहीं हैं। क्रोध के दुष्प्रभाव जीवन पर काफी बुरा पड़ता हैं। इसकी वजह से जीवन तक बर्बाद हो सकता है। कई बार गुस्से के कारण बना बनाया काम खराब हो जाता है। व्यक्ति में क्रोध आ जाए तो उसे सबसे दूर कर देता है और इंसान बिलकुल अकेला रह जाता है। तो साथ ही बता दें कि सबसे बड़े हिंदू ग्रंथ में भी इस बात का जिक्र है कि कोध्र व्यक्ति के लिए अच्छा नहीं है, क्रोध व्यक्ति के विनाश का कारण बनता है। तो आइए आपको बताते है क्रोध को लेकर रामचरितमानस मे क्या कहा गया है-

क्रुद्धः पापं न कुर्यात कः कृद्धो हन्यात गुरूनपि ।
क्रुद्धः परुषया वाचा नरः साधूनधिक्षिपेत
कः क्रुद्धः पापं न कुर्यात, कृद्धः गुरून अपि हन्यात,
क्रुद्धः नरः परुषया वाचा साधन अधिक्षिपेत ।

तुलसीदास जी ने कहा है कि जो व्यक्ति क्रोध करता है उस व्यक्ति पापकर्म अधिक करना पड़ता है। पुण्य वाले काम करने से वो काफी दूर रहता है। क्रोध में ही व्यक्ति बड़े छोटे का लिहाज नहीं करता और बड़े एवं पूज्य जनों तक को मार डालता है। साथ ही ऐसा व्यक्ति अशब्दों का अधिक उपयोग करता है और साधुजनों की भी कोई इज्जत नहीं करता। अगर व्यक्ति अपने क्रोध पर काबू नहीं पाता तो वो व्यक्ति अपने आपको बर्बाद कर देगा। क्रोध स्वास्थ्य पर भी काफी हद तक नुकसान पहुचता है। विज्ञान के अनुसार अधिक क्रोध करने से ब्लड प्रेशर काफी हद तक बढ़ जाता है। क्रोध से मनुष्य को मानसिक परेशानियां हो जाती है। क्रोध मनुष्य के जीवन को अस्त व्यस्त कर देता है। क्रोध के कारण रिश्तों में कड़वाहट आने लग जाती है। गुस्से में बोला गया हर एक शब्द सांप के जहर जैसा जहरीला होता है।

आर्थिक समस्या को दूर करने के लिए करें ये उपाय

घर में सुख सम्रद्धि धन के लिए वास्तु को बहुत खास माना जाता हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार वास्तु के उपायों को करने से घर में सकारात्मकता ऊर्जा प्रवेश करती है जबकि नकारात्मकता ऊर्जा दूर हो जाती है। साथ ही ऐसा माना जाता है कि वास्तुदोषों के कारण जीवन में कई तरह की समस्याएं आने लगती हैं जिससे मनुष्य के बनते काम बिगड़ने लगते है। काम में रूकावट आने लगती है। तो आज हम आपको बताने जा रहे है। ऐसे उपाय जिससे आपके सभी कार्य आसानी से हो जाएंगे और जीवन से सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। साथ ही धन संबंधी समस्या से भी मुक्ति मिल जाएगी। मनी प्लांट-घर में वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट में रखने से अनेक फायदे होते हैं। घर में मनी प्लांट रखने से घर की सारी नकारात्मकता ऊर्जा शक्ति दूर हो जाती है और घर का वातावारण सकारात्मक माहौल बनने लगता है। मनी प्लांट को घर में लाने से रूपए पैसे की समस्याएं भी दूर होने लगती हैं। लेकिन इसके साथ ही कुछ ऐसी बातें भी है जो ध्यान में रखना जरूरी है।

मनी प्लांट की दिशा- वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में मनी प्लांट लाने के बाद उसे दक्षिण या पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इस दिशा में रखा मनी प्लांट घर के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश कराता है। साथ ही मान्याताओं के अनुसार इस दिशा का कारक शुक्र ग्रह है और शुक्र ही बेल वाले पौधों का कारक भी कहा जाता है, इसलिए इस दिशा में मनी प्लांट लगाना बहुत शुभ माना जाता है।

पानी में रखें- वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को पानी में रखना शुभ माना जाता है। साथ ही इस बात का खास ध्यान रखें कि पौधे का पानी बदलते रहे,समय-समय पर।

बेल को जमीन पर न आने दें -वास्तुशास्त्र के घर में लगाए मनी प्लांट को जमीन पर न फैलने दें, इसकी बेल को ऊपर की ओर बढ़ने देना चाहिए। वो शुभ होता है।

खराब पत्ते- वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को हमेशा हरे पत्तों के साथ हरा- भरा रहना शुभ माना जाता है। अगर इसके पत्ते खराब हो रहे हैं, तो उन्हें तुरंत हटा दें।

जनेऊ के जाने धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

हिंदू धार्मिक शास्त्रों में जनेऊ को बहुत पवित्र माना जाता है। साथ ही यज्ञोपवीत संस्कार का बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। बता दें कि जनेऊ संस्कार हिन्दू धर्म के प्रमुख 24 संस्कारों में से एक है। यह जनेऊ 'उपनयन संस्कार' के अंतर्गत आता है। तो वहीं हिंदू धर्म के अनुसार ये हर हिन्दू का कर्तव्य है कि, वो जनेऊ धारण करें और उसके नियमों का पालन करें। जनेऊ धारण करने के बाद ही द्विज बालक को यज्ञ तथा स्वाध्याय करने का अधिकार प्राप्त होता है।

क्या होता है जनेऊ

जेसूऊ सूत से बना एक पवित्र धागा होता है। जिसे मनुष्य बाएं कंधे के ऊपर और दाईं भुजा के नीचे पहनता है। इस जनेऊ के कई वैज्ञानिक महत्व भी है। तो आइए आपको बताते है जनेऊ के वैज्ञानिक महत्व और फायदों के बारे में

स्मरण शक्ति बेहतर- हर रोज जनेऊ कान पर रखने से स्मरण शक्ति बेहतर होती है। कान पर जेनऊ इसलिए कहा जाता है क्योंकि कान दबाव पड़ने से दिमाग की वे नसें खुल जाती हैं, जिनका संबंध स्मरण शक्ति से होता है।

रक्तचाप नियंत्रण- शौच के समय जनेऊ कान के पास रखने से जो नसें दबती हैं, उनसे रक्तचाप नियंत्रण में रहता है एक स्टेडी के मुताबिक ये बात सामने आई है कि शौच के समय जनेऊ कान के पास रखने का भी वैज्ञानिक आधार है, जैसा बताया गया है कि ऐसा करने से रक्तचाप नियंत्रण में रहता है।

हृदय रोग और ब्लडप्रेशर की परेशानी दूर- इस स्टेडी में ये बात भी सामने आई है कि जनेऊ पहनने वाले लोगों को हृदय रोग और ब्लडप्रेशर जैसी परेशानी खत्म हो जाती है। जनेऊ से शरीर में खून का प्रवाह सही तरीके से होता रहता है। आध्यात्मिक ही नहीं इसका वैज्ञानिक आधार भी है, जैसे रिसर्च के अनुसार बताया गया है कि जनेऊ पहनने से हृदय रोग और ब्लडप्रेशर जैसी सारी परेशानी समाप्त हो जाती है।

काला धागे बांधने के हैं फायदे बहुत

अक्सर देखा जाता हैं की घर में बच्चा जब जन्म लेता हैं तब बड़े बुजुर्ग उससे काला टीका, काला धागा लगाते पहनाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है काला धागा बांधने से कई अद्भुत फायदे भी होते है। बता दें कि ज्योतिष विज्ञान एवं लाल किताब के अनुसार काला धागे को विशेष स्थान दिया गया हैं। इन दोनों में इसे बाधंने को लेकर भी बात कहीं गई है। इसके अलावा ऐसा भी माना जाता है कि काले धागे को बांधने से सारी नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है और कई अन्य फायदें भी होते है। लेकिन इन सब में एक बात का खास ध्यान रखा जाना चाहिए कि काले धागे को शरीर में पहनने से पहले क्या-क्या सावधानी बरतें।

काला धागा बांधने के फायदे

काले धागें को बांधने से व्यक्ति को किसी की बुरी नजर नहीं लगती है। साथ ही ये काली शक्तियों से भी रक्षा करता हैं। शनिदेव का संबंध भी काले रंग से ही है। शनि को काले रंग का कारक माना जाता है। इसके अलावा काले रंग का धागा पहनने से व्यक्ति की कुडली का शनि मजबूत होता है और शनि प्रदोष से भी मुक्ति मिलती है।

आर्थिक लाभ

संकटमोचन हनुमान के दिन यानी मंगलवार को काला धागा धारण करना काफी शुभ माना जाता है। इस दिन काला धागा पहनने से आर्थिक जीवन सुखी होता है। घर में धन-समृद्धि का आगमन होता है। इस दिन खासकर दाहिने पैर में काला धागा बांधना शुभ माना जाता है।

सेहत के लिए फायदेमंद

सेहत के लिहाज से भी काला धागा काफी फायदेमंद है। अगर आपके पेट में दर्द रहता है तो व्यक्ति को अपने पैर के अंगूठे में इस धागे को बांध लेना चाहिए। इसके अलावा जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है उनके लिए भी काला धागा काफी फायदेमंद है। इसे व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।

काला धागा पहनने से पहले बरतें ये सावधानियां

काले धागे को अभिमंत्रित करने के बाद ही धारण करें।
धारण करने से पहले इस बारे में किसी योग्य ज्योतिष की सलाह ले।
इस धागें को बांधने वाले व्यक्ति को रुद्र गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए।
मंत्र - ऊँ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्रः प्रचोदयात
शरीर के जिस हिस्से में काला धागा बांध रहे हैं वहां कोई ओर अन्य रंग का धागा न धारण करें। शनिवार के दिन काला धागा बांधना शुभ होता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुस्लिम बनकर दी महाकुंभ में एक हजार हिंदुओं को उड़ाने की धमकी

-पुलिस ने बिहार से 11वीं के छात्र को किया गिरफ्तार, पूछताछ जारी

प्रयागराज। प्रयागराज महाकुंभ में बम ब्लास्ट की धमकी देने वाले को गिरफ्तार कर लिया गया है। यूपी पुलिस ने शनिवार को उसे बिहार के पूर्णिया से दबोचा। आरोपी 11वीं का छात्र है। उसने नसर पठान नाम की आईडी बनाकर महाकुंभ में ब्लास्ट की धमकी दी थी। पूछताछ में आरोपी छात्र ने बताया कि उसने दोस्त को फंसाने के लिए ऐसा किया। आरोपी छात्र हिंदू है उसने बताया कि उसका कुछ दिन पहले दोस्त से झगड़ा हो गया। उसे फंसाने के लिए फर्जी इंस्टाग्राम अकाउंट बनाया और धमकी भरा पोस्ट शेयर कर दिया। यूपी पुलिस की टीम उसे प्रयागराज लेकर आ गई है। एटीएस उससे पूछताछ कर रही है। आरोपी छात्र ने बताया कि 31 दिसंबर को इंस्टाग्राम पर उसने नसर पठान नाम की आईडी बनाकर उससे धमकी दी थी। धमकी में लिखा था- ऑल ऑफ यू, तुम सब अपराधी हो। महाकुंभ में बम ब्लास्ट करेंगे। एक हजार हिंदुओं को मारेंगे। उसी दिन विपिन गौर नाम युवक ने पोस्ट के स्क्रीनशॉट को डायल-112 यूपी पुलिस को टैग करते हुए शेयर किया। इसके बाद यूपी पुलिस सक्रिय हो गई थी। लखनऊ के यूपी-112 मुख्यालय के ऑपरेशन कमांडर अरविंद कुमार नैन ने पुलिस महानिदेशक अभिसूचना (लखनऊ), अपर पुलिस महानिदेशक कानून एवं व्यवस्था (लखनऊ), अपर पुलिस महानिदेशक सुरक्षा (लखनऊ), अपर पुलिस महानिदेशक एटीएस (लखनऊ) और एसएसपी कुंभ को पत्र भेजा और जांच करने को कहा। महाकुंभ मेला कोतवाली थाने में अज्ञात के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। आरोपी को पकड़ने के लिए तीन टीमें बनाई गईं। सर्विलांस, आईपी एड्रेस ट्रेस करने पर पता चला कि जिस नंबर से यह आईडी बनाई गई है। वह बिहार के पूर्णिया जिले के भवानीपुर शहीदगंज का है। फिर टीमें बिहार पहुंचीं। बिहार पुलिस की मदद से आरोपी छात्र को पकड़ लिया है।

झोला छाप डॉक्टर दुष्कर्म नहीं कर पाया तो महिला का चाकू से पेट फाड़ डाला

पूर्णिया। दुष्कर्म में असफल एक झोला छाप डॉक्टर ने महिला का चाकू से पेट फाड़ डाला। जिससे उसकी आंत बाहर निकल आई। परिजनों ने उसे पूर्णिया के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। जहां उसका इलाज चल रहा है। घटना केनगर के काझा नहर के समीप की बताई जा रहा। केनगर थानाध्यक्ष नवदीप गुप्ता ने बताया कि आरोपी का महिला के घर आना-जाना था। मामला दर्ज कर पुलिस अनुसंधान में जुट गयी है। महिला के पिता ने बताया कि आरोपी गांव में ही झोलाछाप डॉक्टर के रूप में काम करता है। गुरुवार संध्या उनकी लड़की काझा बाजार शाक-सब्जी खरीदने आई थी। बाजार में आरोपी उसे मिला और बाइक पर घर छोड़ने की बात कह उसे साथ लेकर चल पड़ा। काझा नहर के समीप जब वह पहुंचा तो वह घर की ओर नहीं जाकर उत्तर दिशा में एक खेत की ओर मुड़ गया। महिला ने ऐसा करने से मना भी किया, परन्तु वह नहीं माना। खेत ले जाकर उसने दुष्कर्म की नीयत से महिला को जमीन पर पटक दिया। महिला ने उसका जमकर विरोध किया। दुष्कर्म में असफल होने पर चाकू निकाल आरोपी ने महिला का पेट फाड़ दिया, जिससे उसकी आंत बाहर निकल आई। आरोपी ने महिला का गला काटने की भी कोशिश की, लेकिन महिला ने हाथों से चाकू की वार को रोक लिया। जिससे उसका हाथ भी घायल हो गया। शोर मचाने पर लोगों को आता देख आरोपी वहां से भाग गया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने पहले तो महिला को जीएमसीएच में भर्ती कराया, जहां से उसे भागलपुर रेफर किया गया। भागलपुर से महिला को पटना रेफर किया गया। आखिरकार पूर्णिया के एक प्राइवेट सर्जन के अस्पताल में उसे भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज चल रहा है।

गुजरात में पत्नी पीड़ित ने की आत्महत्या, वीडियो में कहा- मेरी पत्नी को सबक सिखाना

अहमदाबाद। अतुल सुभाष सुसाइड केस के बाद गुजरात में भी ऐसा ही मामला आया है। यहां पर एक व्यक्ति ने वीडियो बनाकर सुसाइड किया है। वीडियो में उसने अपनी पत्नी को मौत के लिए जिम्मेदार बताया है। उसने अपने परिवार से पत्नी को सबक सिखाने के लिए कहा है। पुलिस ने मामले में केस दर्ज कर लिया है। मामला गुजरात के बोताड़ जिले के जमराला गांव का है। यहां पर 30 दिसंबर को 39 साल के सुरेश सथादिया ने अपने घर में सीलिंग फैन से फांसी लगाकर जान दे दी थी। बोताड़ ग्रामीण पुलिस थाने के अधिकारियों ने मामले की जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक महिला के खिलाफ अपने पति को आत्महत्या के लिए उकसाने का केस दर्ज कर लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि घरवालों को सुरेश के मोबाइल से वीडियो मिला था। इसमें उसने अपनी पत्नी को अपनी मौत का जिम्मेदार बताया है। साथ ही घरवालों से गुहार लगाई है कि वह लोग उसकी पत्नी को सबक सिखाएं। सुरेश के पिता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मृतक की पत्नी जयाबेन के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। इस शिकायत में पिता ने आरोप लगाया है कि उनकी बहू ने बेटे का लगातार मानसिक उत्पीड़न किया। वह उससे अक्सर झगड़ा करती थी और अपने माता-पिता के घर चली गई थी। एफआईआर के मुताबिक सुरेश अपने ससुराल भी गया और अपनी पत्नी को मनाने की कोशिश की। लेकिन उसकी पत्नी ने वापस आने से मना कर दिया। इसके बाद सुरेश ने यह आत्मघाती कदम उठा लिया। गौरतलब है कि कुछ समय पहले ही इंजीनियर अतुल सुभाष का केस आया था। अतुल ने वीडियो बनाकर पत्नी निकिता, सास निशा और पत्नी के भाई अनुराग पर आत्महत्या के लिए मजबूर करने और पैसे की वसूली का गंभीर आरोप लगाया है। इसी वीडियो में आत्महत्या की पूरी वजह बताई थी। जिसके बाद यह केस देश का बहुचर्चित केस बन गया। इसके अलावा दिल्ली में पुनीता खुराना का मामला सामने आया है।

कर्नाटक सरकार अनुसूचित जातियों के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध: सिद्धरमैया

दावणगेरे। (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया ने रविवार को कहा कि उनकी सरकार अनुसूचित जातियों (एससी) के बीच आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस में नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों के बीच उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष या मुख्यमंत्री के बारे में कोई भी निर्णय पार्टी आलाकमान द्वारा लिया जाएगा और वह नेतृत्व के परामर्श से अपने मंत्रिमंडल में रिक्त पद को भरने का फैसला करेंगे। सिद्धरमैया ने यहां संवाददाताओं के एक सवाल पर कहा, 'उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि आंतरिक आरक्षण दिया जाना चाहिए, लेकिन जैसा कि कुछ लोगों ने कहा है कि इस संबंध में ठोस आंकड़ा नहीं है, इसलिए (न्यायमूर्ति) नागमोहन दास की अध्यक्षता में एक आयोग का गठन किया गया है। हम आंतरिक आरक्षण प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।'

नवंबर में सरकार ने उच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति एच एन नागमोहन दास को अनुसूचित जातियों (एससी) के बीच आंतरिक आरक्षण की सिफारिश करने के लिए एक आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया था। अनुसूचित जातियों का एक वर्ग, विशेष रूप से 'एससी लेफ्ट', आंतरिक आरक्षण की मांग कर रहा है। उनका आरोप है कि केवल कुछ प्रभावशाली उपजातियां ही अधिकांश लाभ ले रही हैं, जबकि कई समुदाय अब भी हाशिए पर हैं।

एक अगस्त, 2024 को दिए गए एक ऐतिहासिक फैसले में, न्यायालय ने कहा था कि राज्यों को सामाजिक रूप से विषम वर्ग बनाने वाली अनुसूचित जातियों के भीतर उप-वर्गीकरण करने का संवैधानिक अधिकार है, ताकि सामाजिक और शैक्षणिक रूप से अधिक पिछड़ी जातियों के उत्थान के लिए आरक्षण दिया जा सके। कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष पद पर बदलाव के बारे में पूछे गए सवाल पर सिद्धरमैया ने कहा, ''यह आलाकमान द्वारा तय किया जाएगा। केपीसीसी अध्यक्ष, मुख्यमंत्री सब कुछ आलाकमान द्वारा तय किया जाता है।'' केपीसीसी के अध्यक्ष के रूप में चार साल पूरे कर चुके उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार वर्तमान में पद पर विस्तार पर हैं। कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि अनुसूचित जनजाति विकास निगम घोटाले में कथित रूप से शामिल होने के आरोप के बाद मंत्री बी नागेंद्र के इस्तीफे से मंत्रिमंडल में रिक्त हुए स्थान को भरने के बारे में पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने कहा, ''मैं आलाकमान से चर्चा करूंगा और उस रिक्त स्थान को भरूंगा।

बस्तर में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़, चार नक्सली ढेर, एक जवान शहीद

बस्तर। छत्तीसगढ़ के बस्तर क्षेत्र में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच एक बड़ी मुठभेड़ हुई, जिसमें चार नक्सली मारे गए, जबकि एक जवान शहीद हो गया। यह मुठभेड़ शनिवार शाम को नारायणपुर और दंतेवाड़ा जिलों की सीमा पर दक्षिण अबूझमाड़ के घने जंगलों में हुई। जानकारी अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों को दक्षिण अबूझमाड़ क्षेत्र में नक्सलियों की गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद नारायणपुर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव और बस्तर जिलों से जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) की संयुक्त टीम को ऑपरेशन पर भेजा गया। जवानों ने नदी-नालों को पार कर और पैदल कई किमी अंदर जंगल में प्रवेश किया। नक्सलियों ने जवानों को देखते ही गोलीबारी शुरू कर दी। जवानों ने भी जवाबी कार्रवाई करते हुए चार नक्सलियों को ढेर कर दिया। मुठभेड़ के दौरान डीआरजी के हेड कांस्टेबल सन्नू करम शहीद हो गए।

हथयार बरामद- घटना स्थल से सुरक्षाबलों ने चार नक्सलियों के शव के साथ ही एके-47, सेल्फ-लोडिंग राइफल (एसएलआर) और अन्य स्वचालित हथियार बरामद किए हैं। मुठभेड़ की जानकारी देते हुए नारायणपुर एसपी प्रभात कुमार ने बताया कि मुठभेड़ कई घंटों तक रुक-रुक कर जारी रही। अब भी इलाके में तलाशी अभियान चल रहा है। उन्होंने कहा कि सुरक्षाबलों का यह अभियान नक्सलियों के खिलाफ जारी रहेगा। यह मुठभेड़ सुरक्षाबलों के साहस और बलिदान का प्रतीक है, जो हर परिस्थिति में देश की सुरक्षा के लिए तत्पर रहते हैं।

जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहा देश : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ। पांच जनवरी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि पूरा देश जनजातीय संरक्षण के लिए पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। मुख्यमंत्री ने जनजातीय युवा संवाद कार्यक्रम-2025 के तहत रविवार को अपने सरकारी आवास पर ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश के युवाओं से संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने अपनी बातें रखीं और अपने राज्य की सांस्कृतिक झलक भी प्रस्तुत की। एक आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के लिए देश पूरी तत्परता से कार्य कर रहा है। इसके लिए अनेक कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री मोदी ने 15 नवंबर की तिथि को भगवान बिरसा मुंडा की जयंती (जनजातीय दिवस) के रूप में घोषित की। योगी ने कहा कि स्वतंत्र भारत में पहली बार राष्ट्रपति पद पर जनजातीय महिला (द्रौपदी मुर्मू) भारत के गौरव को नयी ऊंचाई तक पहुंचाने में योगदान दे रही हैं। योगी ने कहा, 'उत्तर प्रदेश का ओडिशा, झारखंड, छत्तीसगढ़ व मध्य प्रदेश से नजदीकी संबंध है।' मुख्यमंत्री ने कहा, 'छत्तीसगढ़ भगवान राम का ननिहाल है। चित्रकूट में भगवान राम ने वनवास का सर्वाधिक समय यहीं व्यतीत किया। यह उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश का जंक्शन है। मां जानकी जनकपुर से हैं। यह बिहार व नेपाल के बीच में पड़ता है। झारखंड बाबा धाम के लिए जाना जाता है। ओडिशा जगन्नाथ भगवान का पावन धाम है। अपनी परंपरा, संस्कृति के प्रति गौरव की अनुभूति, श्रद्धा-सम्मान व देश के प्रति निष्ठा का भाव आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है।'

महाराष्ट्र की आर्थिक हालत नाजुक, राजकोषीय घाटा 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा

पटना (एजेंसी)। मुंबई, (ईएमएस)। महाराष्ट्र की आर्थिक हालत नाजुक दौर में चल रहा है। विपक्ष ने तो पहले ही दावा किया था कि राज्य की वित्तीय सेहत नाजुक है। लेकिन भाजपा महायुति के दिग्गजों ने इन सभी आरोपों को पूरी तरह से झूठा करार दिया था। साथ ही यह भी दावा किया गया कि लडली बहिन योजना के मानदंड नहीं बदलेंगे, यह योजना अगले पांच वर्षों तक जारी रहेगी। लेकिन अब भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार (कैग) की एक रिपोर्ट ने राज्य के खजाने की पोल खोल दी है। दरअसल सीएजी ने राज्य सरकार की आर्थिक नीतियों पर गौर किया। लोक लुभावन वादे से सरकारी खजाने पर आर्थिक बोझ बढ़ गया है। सीएजी ने दावा किया है कि राजकोषीय घाटा 2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। अत~ जनकल्याणकारी योजनाओं के नियमों में कटौती करना या उनमें परिवर्तन करना सरकार के लिए दोहरी तलवार है। दूसरी ओर, मंत्री के बयान से संभावना जताई जा रही है कि इस वित्तीय अनुशासनहीनता का असर लाडली बहिन योजना पर भी पड़ेगा। खबर है कि सीएजी ने कहा है कि राज्य सरकार की वसूली और खर्च में कोई सामंजस्य नहीं है। सीएजी की रिपोर्ट में राज्य के खजाने पर वित्तीय दबाव को जिम्मेदार ठहराया गया है। रिपोर्ट में राज्य की वित्तीय अनुशासनहीनता पर चिंता जताई गई है। विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के वित्त विभाग ने राज्य की वित्तीय स्थिति पर नजर रखी थी। चर्चा रही कि विभाग ने उस वक्त राय दर्ज करायी थी कि लाडली बहन योजना के लिए राशि का बोझ नहीं होना चाहिए। लेकिन सत्ताधारी दल ने इन सभी प्रयासों को फर्जी खबर बताया और लाडली बहिन योजना के लिए धन आवंटित करते हुए राज्य का बजट पेश किया। लेकिन अब कैग रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि राजकोषीय घाटा 2 लाख करोड़ तक पहुंच गया है। अब ये देखने वाली बात होगी कि राज्य सरकार राजकोषीय घाटा को कैसे कम करती है और लोक लुभावन वादे को पूरा कर पाती है या नहीं ?

कालकाजी की सड़कों को प्रियंका गांधी के गालों जैसा बना देंगे

- टिकैत ने कहा, किसानों की मांगें नहीं मानी गई तो आंदोलन के लिए रहेंगे तत्पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले राजनीतिक बयानबाजी शुरु हो गई है। बीजेपी नेता और कालकाजी विधानसभा सीट से उम्मीदवार रमेश बिधूड़ी ने एक विवादास्पद बयान दिया जो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें बिधूड़ी कह रहे हैं कि कालकाजी की सड़कों को प्रियंका गांधी के गालों जैसा बना देंगे। बता दें कि रमेश विधूड़ी अपने बयानों की वजह से हमेशा सुर्खियों में रहते हैं।

बीजेपी नेता बिधूड़ी का विवादास्पद बयान वायरल होने के बाद एक टीवी चैनल ने पूछा कि क्या आपने ये बयान दिया है कि कालकाजी की सड़कों को प्रियंका गांधी के गाल की तरह बना देंगे? इस पर बिधूड़ी ने कहा कि लालू यादव जी ने हेमा मालिनी के गाल की तरह बिहार की सड़कें बनाने की बात कही थी, अगर इनको आज इस बयान से दर्द हुआ है तो हेमा मालिनी जानी मानी हीरोइन रही हैं, जो समाज का दर्पण है। लेकिन लालू जी आज कांग्रेस के साथ गलबहियां कर रहे हैं, अगर वह बयान गलत थे को कांग्रेस उस पर भी बोले।

बिधूड़ी ने कहा कि कांग्रेस नेता पवन खेड़ा एंड कंपनी तलवे चाट कर राजनीति में यहां तक पहुंचे हैं, लोगों की सेवा करके नहीं पहुंचे। वह दलाली करके यहां पहुंचे हैं, तो पहले वह बोलें कि लालू यादव का बयान गलत है। बिधूड़ी के इस बयान पर सियासी पारा गरमा गया है। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने बीजेपी और बिधूड़ी पर तीखा हमला बोला है।

कांग्रेस ने कहा कि बीजेपी घोर महिला विरोधी है, रमेश बिधूड़ी का प्रियंका गांधी को लेकर दिया बयान शर्मनाक है। ये बयान महिलाओं के बारे में उनकी कुत्सित मानसिकता को दर्शाता है, कांग्रेस ने कहा कि जिस आदमी ने सदन में अपने साथी सांसद को गंदी गालियां दी हों और कोई सज़ा ना मिली हो उससे और क्या उम्मीद की जा सकती है? यही बीजेपी की असलियत और उसका चेहरा है। क्या इस घटिया भाषा और सोच पर बीजेपी की महिला नेत्रियां, महिला विकास मंत्री, जेपी नड्डा या खुद पीएम मोदी कुछ बोलेंगे?

कांग्रेस ने आरोप लगाया कि महिला विरोधी घटिया भाषा और सोच के जनक खुद पीएम हैं, जो मंगलसूत्र और मुजरा जैसे शब्द बोलते हैं, तो उनके लोग और क्या-क्या नहीं बोलेंगे? इसके साथ ही कांग्रेस ने मांग की कि इस घटिया सोच के लिए बिधूड़ी को माफ़ी मांगनी चाहिए।

मैदानी इलाकों में शीतलहर ने जनजीवन को किया प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में शीतलहर ने जनजीवन को प्रभावित किया है। मौसम के कारण पुलों और बांधों जैसी महत्वपूर्ण संरचनाओं को नुकसान हो सकता है। इस प्रकार की स्थिति से आवाजाही में रुकावटें और जीवन के सामान्य प्रवाह में बाधाएं उत्पन्न होती हैं।

जब तापमान 4 डिग्री सेल्सियस या उससे कम हो जाता है, तो शीतलहर की स्थिति बनती है। बर्फबारी और ठंडी हवाओं के कारण कई जगहों पर परिवहन व्यवस्था प्रभावित हुई है, जिससे लोग और माल दोनों की आवाजाही में भारी मुश्किलें आ रही हैं। ग्लोबल वॉर्मिंग की वजह से इस मौसम में उतार-चढ़ाव देखे जा रहे हैं। समय से पहले बर्फ का पिघलना और कलियों का जल्दी खिलना जैसे दृश्य अब आम हो गए हैं, जो पर्यावरणीय असंतुलन को दर्शाते हैं। यह बदलाव वन्यजीवों के लिए खतरा पैदा कर रहा है, क्योंकि अत्यधिक बर्फबारी से पेड़-फूल और जंगल की आग की घटनाएं बढ़ सकती हैं।

इसके अतिरिक्त, ठंड के मौसम में बर्फ पेड़ की शाखाओं पर बहुत अधिक दबाव डालती है, जिससे वे टूटकर गिर सकते हैं और महत्वपूर्ण उपकरणों जैसे ट्रांसफॉर्मर, पवनचक्कियां, सौर पैनल, और तेल-गैस पाइपलाइनों को भी नुकसान पहुंच सकता है। इससे ऊर्जा आपूर्ति में व्यवधान उत्पन्न हो सकता है, जैसा कि 2021 में टेक्सास में हुआ था, जहां शीतलहर के कारण बिजली की आपूर्ति पूरी तरह से ठप हो गई थी और लोगों को पीने का पानी भी नसीब नहीं हो रहा था। इसके अलावा, शीतलहर का विमानन उद्योग पर भी प्रभाव पड़ा है। बर्फबारी के कारण हवाई अड्डों के रनवे खतरनाक हो सकते हैं, और विमान के वॉटर सिस्टम में भी तकनीकी खराबी आ सकती है।

इससे एयरलाइनों के संचालन में देरी होती है और यात्रियों के लिए असुविधा पैदा होती है। बर्फ की जमी हुई परतें छतों और पाइपलाइनों को भी नुकसान पहुंचा सकती हैं, जो इमारतों के ढांचे के लिए खतरे का कारण बनती हैं। भारत में, 2006 के जनवरी महीने में सबसे सर्द दिन रिकॉर्ड किया गया था, जब दिल्ली का न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था। इस दिन तेज उत्तर-पश्चिमी हवाएं चल रही थीं, जिससे ठंड का असर और बढ़ गया था। आमतौर पर उत्तर भारत के राज्यों जैसे पंजाब, उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और उत्तराखंड शीतलहर से सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं।

आपत्ति दर्ज कराने सोशल मीडिया अकाउंट संबंधी ड्राफ्ट जारी

*** बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने की कोशिश**

नई दिल्ली (एजेंसी)। बच्चों को सोशल मीडिया से दूरी बनाने के लिए सरकार ने एक ड्राफ्ट बनाया है, जिसे आम लोगों के लिए जारी किया गया है। इससे समझा जा रहा है कि अब 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को सोशल मीडिया पर अकाउंट खोलने के लिए अपने माता-पिता की सहमति लेना होगा। इसके लिए केंद्र की मोदी सरकार ने डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट (डीपीडीपी), 2023 के तहत नियमों का ड्राफ्ट तैयार किया है। इस ड्राफ्ट को अब आम लोगों के लिए जारी कर दिया गया है।

मंत्रालय ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी ने नोटिफिकेशन में कहा कि ड्राफ्ट को लेकर अपनी आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं और सुझाव भी दे सकते हैं। लोगों की आपत्तियों और सुझावों पर 18 फरवरी से विचार होगा। ड्राफ्ट में माता-पिता की सहमति लेने का सिस्टम भी बताया गया करीब डेढ़ साल पहले बिल को संसद से मंजूरी मिली थी। ड्राफ्ट के लिए जारी नोटिफिकेशन के मुताबिक डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन एक्ट, 2023 की धारा 40 की उपधारा 1 और 2 से तहत केंद्र को मिली शक्तियों के आधार पर नियमों का ड्राफ्ट जारी होगा। नियमों में माता-पिता की सहमति लेने का सिस्टम भी बताया गया है। साथ ही बताया गया है कि बच्चों के लिए किसी भी रूप में उनके डेटा का उपयोग करने के लिए माता-पिता की सहमति अनिवार्य है। एक्ट में पर्सनल डेटा इकट्ठा करने और उसका उपयोग करने वाली कंपनियों को डेटा फिड्युशरी कहा है। ड्राफ्ट के मुताबिक डेटा फिड्युशरी कंपनियों को यह सुनिश्चित करना होगा कि बच्चों के किसी भी तरह के पर्सनल डेटा को प्रोसेस करने से पहले माता-पिता की सहमति ली जाए।

मनमोहन की नीतियों पर चल रहा चीन, मंदी से निपटने कर्मचारियों का बढ़ाया वेतन

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की अर्थव्यवस्था 2008 में बुरी तरह चरमरा गई थी। पूरा देश भारी चिंता में था। बढ़ते तनाम को देखते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने जो रणनीतियां अपनाई थीं, उन्हीं नीतियों का अनुकरण अब चीन कर रहा है। चीन की अर्थव्यवस्था इस समय बड़े संकट में है। दुनिया की फैक्ट्री के रूप में मशहूर चीन को अपने उत्पाद बेचने के लिए बाजार नहीं मिल रहे हैं। यूरोप, अमेरिका, और कनाडा जैसे देशों के आंशिक प्रतिबंधों के कारण चीन की स्थिति और खराब हो गई है। ऐसे में शी जिनपिंग ने सरकारी कर्मचारियों की वेतन वृद्धि के जरिए चीन की अर्थव्यवस्था को संभालने की पहल की है।

विशेषज्ञों का मानना है कि मनमोहन सिंह की तरह शी जिनपिंग भी इस नीति के जरिए अर्थव्यवस्था को स्थिर करने की उम्मीद कर रहे हैं। हालांकि, चीन की मौजूदा स्थिति और वैश्विक प्रतिबंधों को देखते हुए यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या यह नीति चीन के लिए उतनी ही प्रभावी साबित होगी जितनी भारत के लिए हुई थी। अब, चीन ने इसी तर्ज पर अपने लाखों सरकारी कर्मचारियों की सैलरी में 300 से 500 युआन (करीब 3,300 से 5,600 रुपये) तक की वृद्धि का निर्णय लिया है। साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, इस वेतन वृद्धि का लाभ सैनिकों, डॉक्टरों, इंजीनियरों, और शिक्षकों सहित कई सरकारी कर्मचारियों को मिलेगा। बीजिंग स्थित एक अधिकारी ने पुष्टि की कि दिसंबर के अंतिम सप्ताह में उन्हें वेतन वृद्धि की औपचारिक सूचना दी गई थी। चीन की इस नीति का उद्देश्य कर्मचारियों की खरीदारी शक्ति को बढ़ाना और बाजार में मांग पैदा करना है। चीन के लिए यह कदम अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप की संभावित वापसी से ट्रेड वार फिर से छिड़ने की आशंका है। इस स्थिति में, शी जिनपिंग की यह रणनीति मंदी से उबरने का एक प्रयास है।

भारत में मजबूत हुआ था बाजार

2008 की वैश्विक मंदी के दौरान, मनमोहन सिंह ने छठे वेतन आयोग को लागू करके सरकारी कर्मचारियों की क्रय शक्ति बढ़ाने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया था। यह कदम भारतीय बाजार में जान डालने का एक कारगर तरीका साबित हुआ। सरकारी कर्मचारियों की वेतन में 7,000 रुपये तक की वृद्धि ने न केवल उनकी आर्थिक स्थिति को बेहतर किया, बल्कि बाजार में तैयार माल की खपत बढ़ाकर अर्थव्यवस्था को भी पुनर्जीवित किया।

संक्षिप्त समाचार

रिपब्लिकन माइक जॉनसन फिर चुने गए अमेरिकी सदन के अध्यक्ष

वाशिंगटन, एजेंसी। लुइसियाना के सांसद माइक जॉनसन फिर से अमेरिकी सदन के अध्यक्ष चुन लिए गए हैं। जॉनसन ने 218 वोटों के साथ चैंबर में शीर्ष स्थान हासिल किया और फिर से स्पीकर चुने गए।

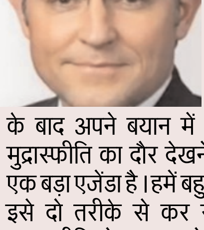

जॉनसन ने जीत के बाद अपने बयान में कहा, चार साल से मुद्रास्फीति का दौर देखने के बाद हमारे पास एक बड़ा एजेंडा है। हमें बहुत कुछ करना है। हम इसे दो तरीके से कर सकते हैं और उच्च मुद्रास्फीति से लड़ सकते हैं। हम अमेरिकियों को राहत देंगे और ट्रंप टैक्स कट्स को बढ़ाएंगे। एकतरफा व्यापार सौदों से उद्योगों की रक्षा करेंगे और विदेशी निवेश वापस अमेरिका में बढ़ाएंगे। 113वीं कांग्रेस ने शुक्रवार को शपथ ली। दोनों चैंबर के प्रभारी रिपब्लिकन हैं। जॉनसन अमेरिकी सदन का नेतृत्व करेंगे और जॉन थून अमेरिकी सीनेट का नेतृत्व करेंगे। 20 जनवरी को डोनाल्ड ट्रंप के शपथ लेने के बाद ही व्हाइट हाउस, प्रतिनिधि सभा और सीनेट में तीनों का रिपब्लिकन नेता ही नेतृत्व करेंगे। ट्रंप ने कुछ दिन पहले ही जॉनसन का समर्थन किया था और कहा था, माइक एक महान स्पीकर होंगे और हमारा देश इसका लाभ उठाएगा। अमेरिका के लोग चार साल से सामान्य समझ, ताकत और नेतृत्व का इंतजार कर रहे थे। अब उन्हें यह मिलेगा और अमेरिका पहले से भी महान होगा। स्पीकर को पिछले नवंबर में उनके रिपब्लिकन सहयोगियों द्वारा सर्वसम्मति से फिर से चुनाव के लिए नामित किया गया था, लेकिन कुछ उनके ही सहयोगियों ने उनका विरोध किया था।

बांग्लादेश जा सकते है पाकिस्तानी विदेश मंत्री

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार ने घोषणा की है कि वे अगले महीने बांग्लादेश का दौरा करेंगे। यह 2012 के बाद किसी पाकिस्तानी मंत्री का बांग्लादेश का पहला दौरा होगा। यह घोषणा पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस की मुलाकात के कुछ सप्ताह बाद की गई, जो पिछले महीने काहिरा में डी-8 शिखर सम्मेलन के दौरान हुई थी। मीडिया रिपोर्टों की माने तो डार का यह दौरा एक दशक में बांग्लादेश के लिए किसी भी पाकिस्तानी विदेश मंत्री का पहला दौरा होगा। अंतिम बार 2012 में पूर्व विदेश मंत्री हिना रब्बानी खार ने बांग्लादेश का दौरा किया था। गुरुवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डार ने बताया कि वे 3-5 फरवरी को मलेशिया दौरे से लौटने के बाद 5 फरवरी या उसके बाद बांग्लादेश का दौरा करेंगे। डार ने कहा कि पाकिस्तान और बांग्लादेश हसीना सरकार के पतन के बाद संबंधों को फिर से बना रहे हैं और उनका उद्देश्य दोनों देशों के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग को मजबूत करना है।

भारत की यात्रा पर जाएंगे एनएसए सुलिवन : व्हाइट हाउस

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के निवर्तमान राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन पांच और छह जनवरी को भारत की यात्रा पर जाएंगे, जहां वह अपने समकक्ष अजीत डोभाल और अन्य शीर्ष अधिकारियों से मुलाकात करेंगे। सुलिवन, पद छोड़ने से पहले भारत की अपनी इस यात्रा के दौरान दिल्ली के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) में भारत-केंद्रित विदेश नीति पर भाषण भी देंगे। नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 20 जनवरी को अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेंगे और उनके कार्यकाल में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार का पद संभालेंगे सांसद माइकल वाल्ट्ज। एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने शुक्रवार अपराह्न संवाददाताओं को बताया कि सुलिवन की यात्रा का मुख्य उद्देश्य भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करना है। अधिकारी ने बताया, ''इस दौरान व्यापक मुद्दों पर चर्चा होगी, लेकिन रक्षा से लेकर अंतरिक्ष और कृत्रिम मेधा तक के क्षेत्रों में हमारे बीच रणनीतिक प्रौद्योगिकी सहयोग पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

चीन ने बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप की खबरों को खारिज किया, कहा-देश यात्रा के लिए सुरक्षित

बीजिंग, एजेंसी। चीन ने देश में बड़े पैमाने पर फ्लू के प्रकोप संबंधी खबरों को अधिक तवज्जो नहीं देते हुए शुक्रवार को कहा कि सर्दियों के दौरान होने वाली श्वसन संबंधी बीमारियों के मामले पिछले साल की तुलना में इस वर्ष कम गंभीर हैं। चीनी विदेश मंत्रालय ने कहा कि विदेशियों के लिए चीन की यात्रा करना सुरक्षित है। मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने देश में 'इन्फ्लूएंजा ए और अन्य श्वसन रोगों के फैलने को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में पत्रकारों से कहा, ''सर्दियों के मौसम में श्वसन संक्रमण चरम पर होता है। सोशल मीडिया पर प्रसारित वीडियो में चीन के अस्पतालों में मरीजों की भारी भीड़ दिख रही है। निंग ने कहा, ''पिछले वर्ष की तुलना में ये बीमारियां कम गंभीर प्रतीत होती हैं और छोटे स्तर पर फैल रही हैं। उन्होंने कहा, ''मैं आपको आश्वस्त कर सकती हूं कि चीन सरकार चीनी नागरिकों और विदेशियों के स्वास्थ्य की परवाह करती है। चीन में यात्रा करना सुरक्षित है। निंग ने सर्दियों में श्वसन संबंधी बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के संबंध में चीन के राष्ट्रीय रोग नियंत्रण एवं रोकथाम प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का भी उल्लेख किया। पिछले कुछ दिनों से विदेश में, खासकर भारत और इंडोनेशिया में चीन में बड़े पैमाने पर फ्लू फैलने की खबरें आ रही हैं।

पाकिस्तान जनजातीय संघर्ष : शांति समझौते के बाद भी कुर्रम जिले में स्थानीय लोगों का विरोध प्रदर्शन जारी

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत के कुर्रम हिंसक संघर्ष में उलझी जनजातियों ने 14 सूत्री शांति समझौते पर हस्ताक्षर कर दिए हैं लेकिन दो दिन बाद भी स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन समाप्त करने से इनकार कर दिया है। जिला राजधानी पाराचिनार में प्रदर्शनकारी मांग कर रहे हैं कि जब तक सभी सड़कें यात्रा के लिए सुरक्षित नहीं हो जातीं तब तक वे धरना जारी रखेंगे।

पाराचिनार प्रेस क्लब के बाहर विरोध प्रदर्शन कई हफ्तों से चल रहा है। स्थानीय निवासी प्रांतीय सरकार पर लोगों की आजीविका और सुरक्षा सुनिश्चित करने में नाकाम रहने का आरोप लगा रहे हैं। दरअसल 80 दिनों से अधिक समय से सभी रास्ते पूरी तरह से बंद पड़े हैं। इसके चलते खाद्य आपूर्ति और दवाइयों की कमी हो गई है जिसके चलते महिलाओं और बच्चों सहित 150 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है।

पाराचिनार के एक निवासी ने आईएएनएस को बताया, यह पहली बार नहीं है जब शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। समझौते पर हस्ताक्षर करने में उन्हें दो सप्ताह से अधिक का समय लगा, वे क्षेत्र के लोगों की पीड़ा से पूरी तरह अनजान थे, जो खाद्य आपूर्ति, दवाओं और बुनियादी जरुरतों के बिना रहने को मजबूर हैं। 150 लोग इसलिए मर गए क्योंकि अस्पतालों में उनके इलाज के लिए दवाएं नहीं थीं। इसके लिए कौन जिम्मेदार है? स्थानीय निवासी ने कहा, शिया और सुन्नी संघर्ष यहां दशकों से चल रहा है। कई बार प्रतिद्वंद्वी जनजातियां घात लगाकर हमला करती हैं जिसमें कई लोगों की मौत हो जाती है और हर बार तथाकथित शांति समझौतों पर हस्ताक्षर होते हैं हैं। इस बार भी शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। लेकिन जहां तक रास्तों और आपूर्ति को खोलने का सवाल है, जमीनी स्तर पर कोई प्रगति नहीं देखी गई है। हमारे परिवार यहां हर दिन भूख और चिकित्सा समस्याओं के कारण मर रहे हैं।

पाराचिनार में सांप्रदायिक संघर्ष नवंबर के आखिरी सप्ताह में शुरू हुआ था, जब एक बस पर हमला किया गया था। हमले में 47 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी जिसमें अधिकर शिया मुस्लिम थे। इसके बाद सुन्नी बहुल गांवों पर हमला किया। इन हमलों में 150 से अधिक लोगों की बेरहमी से हत्या कर दी गई। तब से यह इलाका बाकी देश से कटा हुआ है। शांति स्थापित करने के लिए लंबे समय से विचार-विमर्श और चर्चाएं चल रही थीं, लेकिन देरी के कारण पाराचिनार के निवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। दवाओं की कमी के कारण अस्पतालों में कई लोगों की मौत हो गई। सुरक्षा चिंताओं के कारण शैक्षणिक संस्थान भी बंद रहे और सार्वजनिक परिवहन की आवाजाही नहीं हुई। इस दौरान अफगानिस्तान के साथ सीमा भी बंद रही। स्थानीय अधिकारी और शांति जिरगा या जनजातीय न्यायालय के सदस्य आश्वासन दे रहे हैं कि शांति समझौते पर हस्ताक्षर के बाद पाराचिनार शहर, बुशहरा और 100 से अधिक गांवों में खाद्य और आवश्यक वस्तुओं की डिलीवरी जल्द शुरू हो जाएगी। उपायुक्त जावेद उल्लाह महसूद ने कहा, एक कल्याणकारी संगठन द्वारा पाराचिनार में पहले ही दवाइयां भेजी जा चुकी हैं और इसी तरह की आपूर्ति अन्य प्रभावित क्षेत्रों में भी भेजी जा रही है। हालांकि पिछले अनुभवों को देखते हुए स्थानीय लोगों को डर है कि शांति समझौता अमल में आना मुश्किल है। पाराचिनार के एक प्रदर्शनकारी निवासी सैफुल्लाह ने कहा, हम समझौते का स्वागत करते हैं, लेकिन यह भी जानते हैं कि अतीत में हुए ऐसे समझौते एक ही घटना के बाद कूड़ेदान में फेंक दिए गए हैं। दोनों पक्ष बहुत लंबे समय से एक-दूसरे से लड़ रहे हैं और वे भविष्य में भी ऐसा करते रहेंगे। मुझे नहीं लगता कि वे अपने हथियार छोड़ देंगे और अपनी मारक क्षमता को कमज़ोर करेंगे।

सैफुल्लाह ने कहा हम बस जीने का अधिकार चाहते हैं। हम अपने बच्चों को दवाओं और उपचार के अभाव में मरते हुए नहीं देखना चाहते। हम चाहते हैं कि हमारे बच्चे स्कूल और कॉलेज जाएं, हम नहीं चाहते कि हमारे परिवार बिना भोजन के दिन बिताएं, हम नहीं चाहते कि हमारी दुकानें और व्यवसाय बंद हो जाएं। यही कारण है कि हम तब तक अपना विरोध प्रदर्शन समाप्त नहीं करेंगे जब तक कि क्षेत्र में पूर्ण शांति, सुरक्षा और सामान्य स्थिति बहाल नहीं हो जाती।

2024 में रूस की कैद से 1358 यूक्रेनियन घर लौट, तनाव के बीच यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की का बयान

कीव , एजेंसी। रूस यूक्रेन के बीच 1000 से ज्यादा दिनों से चल रहे युद्ध में आय दिन कोई ना कोई बड़ी खबर सामने आती रहती है। इसी बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की का बड़ा बयान सामने आया है, जिसमें उन्होंने दावा किया कि साल 2024 में हम अपने 1,358 लोगों को रूसी कैद से यूक्रेन वापस लाने में कामयाब रहे, जिसमें यूक्रेनी नागरिक और यूक्रेनी सैनिक शामिल है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया पर किए पोस्ट में कहा कि, रूस की कैद में बंद लोगों की परिस्थितियां अलग-अलग हैं, लेकिन वे सभी घर लौटकर उतने ही खुश हैं। साथ ही उन्होंने यूक्रेनी टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इन लोगों की घर वापसी के लिए एक बड़ी टीम ने काम किया।

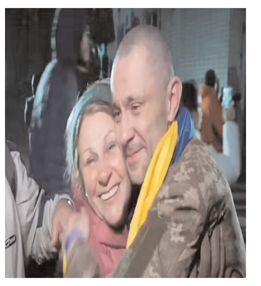

2025 में अच्छी खबर के लिए करेंगे प्रयास-जेलेंस्की : ज़ेलेंस्की ने यह भी कहा कि हमें 2025 में और भी अच्छी खबरें लाने के लिए हर संभव कोशिश करनी चाहिए, खासकर रूस के साथ संघर्ष को खत्म करने के लिए। इसके साथ ही जेलेंस्की ने रूस-यूक्रेन युद्ध में यूक्रेन के सहयोगियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि उनकी मदद के कारण ही यह सफलता मिल सकी। बता दें कि फरवरी 2022 में शुरू हुए रूस-यूक्रेन में रूस के आक्रमण के बाद बढ़ा में हजारों नागरिक मारे गए हैं। मास्को ने नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार किया है, जबकि हवाई हमलों के सबूत मिल चुके हैं। इस संघर्ष में यूक्रेन ने पश्चिमी देशों से मदद प्राप्त की है और अपनी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाया है।

संयुक्त राष्ट्र ने जारी किया आकड़ा : संयुक्त राष्ट्र ने बताया कि इस संघर्ष के दौरान 39,000 से ज्यादा नागरिक मारे गए या घायल हुए हैं, 3,400 से ज्यादा स्कूल और अस्पताल नष्ट हो चुके हैं, और 10 मिलियन से ज्यादा लोग अपने घरों से भाग गए हैं। इसके अलावा, 2024 से अब तक यूक्रेन के बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान हुआ है, 2,000 से ज्यादा स्वास्थ्य केंद्रों पर हमले हुए हैं।

चीन ने सेना को किया आगाह, एआई सहायक उपरण

बीजिंग, एजेंसी। आधुनिकीकरण में भारी निवेश करते हुए, चीनी सेना ने अपने सशस्त्र बलों को कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) पर बहुत अधिक निर्भर होने के खिलाफ चेतावनी दी है। उसने कहा कि एआई को मार्गदर्शन करने के लिए एक उपकरण होना चाहिए, लेकिन युद्ध के मैदान में यह मानव निर्णय लेने का विकल्प नहीं हो सकता, क्योंकि इसमें आत्म-जागरूकता की क्षमता का अभाव है। चीनी सेना ने कहा युद्ध के मैदान में मानवीय स्वायत्तता और रचनात्मकता अपरिहार्य हैं। चीनी सेना के आधिकारिक मीडिया पीपुल्स लिबरेशन आर्मी डेली में नए साल की पूर्व संध्या पर एक लेख में कहा गया कि जैसे-जैसे एआई विकसित होगा, इसे मानवीय निर्णय द्वारा निर्देशित एक उपकरण ही बने रहना चाहिए। जवाबदेही, रचनात्मकता और रणनीतिक अनुकूलनशीलता सैन्य निर्णय लेने में सबसे आगे रहेंगे। एआई को अनुकूलित करने के लिए मानव निर्णय-निर्माताओं के साथ मिलकर काम करना चाहिए। यानी मनुष्य का काम अपनी जगह रहेगा और एआई का उपयोग अपनी जगह। अमेरिका और चीन में व्यापार तनाव बढ़ाते हुए बीजिंग ने 28 अमेरिकी कंपनियों को लक्षित करते हुए नए निर्यात नियंत्रण उपायों की घोषणा कर दी है। चीन ने इन अमेरिकी कंपनियों में से 10 को एक सूची में डाल दिया और उन्हें देश में व्यापार करने से पूर्णतः रोक दिया गया। जिन अमेरिकी कंपनियों पर चीन ने रोक लगाई है उनमें लॉकहीड मार्टिन, उसकी 5 सहायक कंपनियां, जनरल डायनेमिक्स व उसकी तीन सहायक कंपनियां शामिल हैं।

अमेरिकी संसद में बढ़ी भारतवंशियों की धाक, भारतीय मूल के छह सांसदों ने ली अमेरिकी सदन की शपथ

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारतीय अमेरिकियों के लिए शुक्रवार का दिन ऐतिहासिक रहा। दरअसल, छह भारतवंशी नेताओं ने अमेरिकी संसद के सदस्य के रूप में शपथ ली। यह पहला मौका है, जब अमेरिकी संसद के हाउस ऑफ रिप्रजेंटेटिव यानी निचली सदन में एक साथ छह भारतीय-अमेरिकियों ने शपथ ग्रहण की।

इन लोगों ने मारी बाजी : सुहास सुब्रमण्यम, अमी बेरा, राजा कृष्णमूर्ति, रो खन्ना, प्रमिला जयपाल और श्री थानेदार अमेरिकी सदन में पहुंचे हैं। डॉ. अमी बेरा 2013 से कैलिफोर्निया के सातवें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले सबसे सीनियर भारतीय अमेरिकी सांसद हैं। उन्होंने सदन में सातवीं बार शपथ लेने पर सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, जब मैंने पहली बार 12 साल पहले शपथ ली थी तो मैं अकेला भारतीय अमेरिकी सांसद था। अगर अमेरिका की इतिहास की बात करूं तो तीसरा सांसद था। आज मैं एक बार फिर शपथ ले रहा हूं। अब हमारा छह लोगों का मजबूत समूह है। मुझे खुशी है कि आने वाले वर्षों में और भारतीय अमेरिकी सांसद होंगे !

क्या बोले सुहास : भारतीय-अमेरिकी वकील सुहास सुब्रमण्यम ने वर्जीनिया से चुनाव जीता है। वह अमेरिका के पूर्वी तट पर बसे राज्यों से अमेरिकी संसद में पहुंचने वाले पहले भारतवंशी हैं। वर्जीनिया के 10वें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करने वाले सुब्रमण्यम प्रतिनिधि सभा के सदस्य बनने वाले सबसे नए भारतीय अमेरिकी हैं। उन्होंने अपने परिवार और हाउस स्पीकर माइक जॉनसन के साथ अपनी एक तस्वीर पोस्ट करते हुए कहा, काम का पहला दिन! शपथ लेकर सम्मानित महसूस कर रहा हूं और वर्जीनिया के लिए काम करने और उसके नतीजे देने के लिए तैयार हूं।

श्री थानेदार ने कही ये बात : श्री थानेदार मिशिगन के 13वें संसदीय जिले से लगातार दूसरी बार चुने गए। उन्होंने इसे पहली बार 2023 में जीता था। सदन में मौजूद अपनी एक तस्वीर साझा करते हुए थानेदार ने कहा, सेवा के लिए तैयार। सभी छह भारतीय-अमेरिकी सांसद डेमोक्रेटिक पार्टी के हैं। सदन के स्पीकर पद के लिए हुए चुनाव में सदन के अल्पसंख्यक नेता हकीम जेफ्रीज को वोट दिया। मगर रिपब्लिकन माइक जॉनसन को सदन का स्पीकर चुना गया।

इन लोगों की भी धाक : सांसद रो खन्ना कैलिफोर्निया के 17वें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं, जबकि राजा कृष्णमूर्ति इलिनोइस के आठवें संसदीय जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं। वाशिंगटन राज्य के सातवें संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाली प्रमिला जयपाल प्रतिनिधि सभा के लिए चुनी जाने वाली पहली भारतीय-अमेरिकी महिला हैं। खन्ना, कृष्णमूर्ति और जयपाल ने लगातार पांचवीं बार शपथ ली है। वे अपने तरीके से शक्तिशाली सांसदों के रूप में उभरे हैं।कृष्णमूर्ति चीन कमिटी के रैंकिंग सदस्य हैं और हाउस इंटेलिजेंस कमिटी के भी सदस्य हैं। जयपाल प्रोग्रेसिव समूह की शक्तिशाली नेता हैं।

सोमालिया में सहायताकर्मियों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों में वृद्धि : यूएन

मोगादिशु, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी (ओसीएचए) ने सोमालिया में मानवीय सहायता कर्मियों पर बढ़ते हमलों पर चिंता व्यक्त की है। ओसीएचए ने बताया कि 2024 की चौथी तिमाही में इन हमलों की संख्या बढ़ गई। अक्टूबर और दिसंबर 2024 के बीच 62 ऐसी घटनाएं हुईं। यह 2024 की तीसरी तिमाही की तुलना में 8.8 प्रतिशत अधिक है। इन हमलों में सहायता कर्मियों, उनके संसाधनों और सुविधाओं को निशाना बनाया गया। ओसीएचए ने मोगादिशु में अपनी रिपोर्ट में बताया कि मानवीय सहायता के लिए भेजे गए कर्मियों पर हमले बढ़ रहे हैं और तीसरी तिमाही में जहां 15 हमले हुए थे, वहीं चौथी तिमाही में ये बढ़कर 17 हो गए। इससे यह साफ होता है कि सहायता कर्मियों और संसाधनों के लिए खतरा लगातार बढ़ रहा है। जबकि घटनाओं की संख्या में स्थिरता रही है, लेकिन चौथी तिमाही में जो घटनाएं हुईं, उनका प्रकार अलग था। ओसीएचए के अनुसार सैन्य अभियानों और संघर्षों के कारण जो समस्याएं आ रही थीं, उनकी संख्या भी बढ़ी है। चौथी तिमाही में ऐसे समस्याओं की संख्या 8 हो गई,

जबकि तीसरी तिमाही में यह 6 थी। इसका मतलब है कि संघर्षों और सैन्य कार्रवाइयों के कारण मानवीय कार्यों में रुकावटों की संख्या बढ़ी है। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में सुधार भी देखने को मिला है। जैसे बाहरी हस्तक्षेप के कारण होने वाली घटनाओं की संख्या घटकर 14 हो गई, जो तीसरी तिमाही में 22 थी। ओसीएचए ने इसे बेहतर समन्वय और ऑपरेशनल गतिशीलता का परिणाम बताया है। 19 अगस्त 2024 को, संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख राहत अधिकारी ने सभी पक्षों से अपील की थी कि वे संघर्ष क्षेत्रों में नागरिकों और मानवीय कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करें। ओसीएचए के मुताबिक, 2024 से अब तक 124 घटनाएं दर्ज की गईं, जिनमें 12 सहायता कर्मी घायल हुए और 13 हमलों में शारीरिक हमला, उत्पीड़न और धमकी शामिल थे। इससे पहले 2023 में, सोमालिया में चार सहायता कर्मियों की हत्या भी हुई थी, इनमें से कुछ हमले सहायता वितरण के दौरान हुए थे। संयुक्त राष्ट्र ने कहा कि सोमालिया दुनिया के सबसे गंभीर मानवीय संकटों का सामना कर रहा है, जिसमें लाखों लोग जलवायु परिवर्तन, संघर्ष, बीमारियों और आर्थिक संकटों के कारण भारी पीड़ा झेल रहे हैं।

सीरिया की कमान नहीं संभाल पा रही विद्रोही सरकार !, राष्ट्रीय संवाद सम्मेलन में देरी होने पर उठ रहे सवाल

डमस्कस, एजेंसी। सीरिया में बशर अल असद को हटाने के बाद स्थापित नए नेतृत्व ने अभी तक यह तय नहीं किया है कि ऐतिहासिक राष्ट्रीय संवाद सम्मेलन कब आयोजित किया जाएगा। मीडिया रिपोर्ट में कई सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई है। ऐसा लग रहा है कि विद्रोही नेताओं को बातचीत करने में काफी संघर्ष करना पड़ रहा है। हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) के नेतृत्व वाले विद्रोहियों ने सम्मेलन आयोजित करने का वादा किया था। मगर, इसके लगातार टलने से विपक्षी समूहों और अन्य पक्षों के बीच चिंता पैदा हो गई है।

अभी तक नहीं भेजे गए निमंत्रण : एक न्यूज एजेंसी से बात करने वाले सूत्रों में सीरिया के सूचना मंत्रालय के दो अधिकारी, सीरिया के नए शासक प्रशासन के एक सदस्य और दो राजनयिक शामिल हैं। सम्मेलन की जानकारी रखने वाले इन अधिकारियों का कहना है कि सम्मेलन के लिए आधिकारिक निमंत्रण अभी तक नहीं भेजे गए हैं, हालांकि कुछ व्यक्तियों से अनौपचारिक रूप से संपर्क किया गया है।

क्या है सम्मेलन का मकसद ? : इस सम्मेलन का मकसद सीरिया के विभिन्न धर्मों, जातीयताओं, भौगोलिक क्षेत्रों और राजनीतिक धाराओं के प्रतिनिधियों को एकत्र करने का है ताकि असद परिवार की 50 वर्षों से अधिक पुरानी शासन व्यवस्था के बाद देश के लिए एक नया भविष्य तैयार किया जा सके। हालांकि, कुछ

सीरियाई मीडिया संगठनों ने पहले जानकारी दी थी कि सम्मेलन चार-पांच जनवरी को होगा, जिसमें सीरिया के लगभग 1,200 प्रतिनिधियों को बुलाया जाएगा। अब सवाल उठता है कि आखिर संवाद सम्मेलन इतना जरूरी क्यों हैं। बता दें, इसका उद्देश्य सीरिया के राजनीतिक बदलावों पर चर्चा करना है, जो 13 सालों तक चले गृह युद्ध के बाद हो रहे हैं। इसमें मौजूदा संसद को निलंबित करने, नया संविधान बनाने और चुनावों की तैयारी जैसे मुद्दों पर बात हो सकती है। हालांकि, अब तक इस सम्मेलन के लिए आधिकारिक निमंत्रण नहीं भेजे गए हैं, लेकिन कुछ लोगों से अनौपचारिक रूप से संपर्क किया गया है। आठ दिसंबर के विद्रोह के बाद, हयात तहरीर अल-शाम ने सत्ता संभाली और एक मार्च तक जरूरी सेवाओं के प्रबंधन के लिए एक देखरेख सरकार बनाई। लेकिन यह समूह, जो पहले एक विद्रोही संगठन था।

पोर्न स्टार केस में डोनाल्ड ट्रंप को राहत नहीं, 10 जनवरी को सजा का ऐलान

वाशिंगटन, एजेंसी। पोर्न स्टार को पैसे देने के मामले में फंसे डोनाल्ड ट्रंप को राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। एक जज के मुताबिक अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति को 10 जनवरी को सज सुनाई जाएगी। जस्टिस जुआन मर्चन के फैसले का मतलब है कि ट्रंप को 20 जनवरी को शपथ ग्रहण से महज 10 दिन पहले अदालत की सुनवाई में पेश होना होगा। अभी तक अमेरिका के इतिहास में ऐसा कभी नहीं हुआ है। ट्रंप से पहले किसी भी अमेरिकी राष्ट्रपति को, चाहे वर्तमान हो या पूर्व सजा नहीं सुनाई गई है। जज ने कहाकि 78 वर्षीय ट्रंप इस सजा के दौरान व्यक्तिगत या वर्चुअल तौर पर पेश हो सकते हैं। उन्होंने लिखा कि वह ट्रम्प को जेल की सजा देने के इच्छुक नहीं थे। इस सजा के दौरान ट्रंप को हिरासत या जुर्माना भी नहीं भुगतना होगा। उन्होंने कहाकि यह सबसे व्यवहारिक समाधान होगा। ट्रंप के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने कहाकि इस केस में कोई सजा नहीं होगी। उन्होंने कहाकि यह कानूनविहीन मामला कभी नहीं लाया जाना चाहिए था, और संविधान मांग करता है कि इसे तुरंत खारिज कर दिया जाए। जस्टिस मर्चन ने राष्ट्रपति चुनाव में जीत के चलते मामले को खारिज करने के ट्रम्प के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया। उन्होंने सजा के लिए अपनी योजना की घोषणा की। ट्रंप के बचाव पक्ष के वकीलों ने दलील दी थी कि राष्ट्रपति पद के दौरान उनके ऊपर मामला चलने से उनके कार्यकाल पर असर पड़ेगा। मर्चन ने इस तर्क को खारिज कर दिया। उन्होंने कहाकि जूरी के फैसले को अलग करना कानून कमजोर करने जैसा होगा। संविधान की मांग है कि इसे तुरंत खारिज कर दिया जाए ट्रम्प के प्रवक्ता स्टीवन

चेउंग ने इस फैसले की निंदा करते हुए कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के इम्यूनिटी डिसीजन और जुरस्प्रूडन्स का सीधा उल्लंघन है। यह गैर कानूनी मामला कभी कोर्ट में लाया ही नहीं जाना चाहिए था। संविधान की मांग है कि इसे तुरंत खारिज कर दिया जाना चाहिए। चेउंग ने कहा कि इस मामले में कोई सजा नहीं होनी चाहिए। राष्ट्रपति ट्रम्प इन धोखाधड़ी के खिलाफ तब तक लड़ते रहेंगे जब तक कि ये सभी खत्म नहीं हो जाते। जज बोले-ट्रम्प को 20 जनवरी से पहले सजा सुनाना जरूरी मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबित जज जुआन मर्चेन का कहना है कि शपथ ग्रहण करने के बाद ट्रम्प को राष्ट्रपित पद की छूट मिल जाएगी। इसलिए यह जरूरी है कि कोर्ट इस मामले में 20 जनवरी से पहले सजा सुनाए। मर्चेन ने कहा कि ट्रम्प को दोषी ठहराए जाने के बाद भी किसी कानूनी सजा का सामना नहीं करना पड़ेगा। यह मामला लगभग खत्म हो चुका है। 2006 में हुई थी ट्रम्प और स्टर्मी की मुलाकात स्टॉर्मी ने इस मामले में कोर्ट को बताया था कि ट्रम्प से उनकी मुलाकात 2006 में हुई थी। तब ट्रम्प 60 साल और स्टॉर्मी 27 साल की थीं। इस दौरान दोनों के बीच सेक्सुअल रिलेशन भी बने थे। इसे लेकर ट्रम्प और स्टॉर्मी के बीच 2016 में एक गुप्त समझौता हुआ था। इसके मुताबिक, स्टॉर्मी को ट्रम्प से रिलेशन्स को लेकर चुप रहना था। ट्रम्प के वकील ने भी इस बात को माना था कि उसने ट्रम्प की तरफ से पोर्न स्टार को 1 लाख 30 हजार डॉलर (करीब 1 करोड़ 7 लाख रुपए) दिए थे। इसके बाद इसकी भरपाई के लिए पूर्व राष्ट्रपति ने बिजनेस रिकॉर्ड्स में धांधली भी की थी। बता दें कि राष्ट्रपति चुनाव में ट्रम्प की रिपब्लिकन पार्टी ने 50 राज्यों की 538 में से 312 सीटों पर जीत हासिल की है। वहीं डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस कड़ी टक्कर देने के बावजूद 226 सीटें ही जीत पाई।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

2500 करोड़ का डुमस जमीन घोटाला, पार्टनरशिप डीड में खुलासा

सरकारी कर्मचारियों पर शक।

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

डुमस, वाटा और गवियरा के साइलेंट जोन में 2500 करोड़ की जमीन में 351 फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड बनाने का बड़ा घोटाला CID क्राइम की जांच में सामने आया है। इस घोटाले में शहर के चार बड़े बिल्डरों के नाम सामने आए हैं, जिन्होंने सरकारी अधिकारियों के साथ मिलकर किसानों की जमीन में धोखाधड़ी करके यह कृत्य अंजाम दिया। CID क्राइम ब्रांच द्वारा जो भी दस्तावेज़ मिल रहे हैं, उनकी सरकार ने चोपड़े पर दर्ज दस्तावेज़ों के साथ जांच शुरू कर दी है, साथ ही संदिग्ध और इस पूरे कांड में शामिल व्यक्तियों से पूछताछ भी शुरू की गई है।

इस बीच समृद्धि कॉर्पोरेशन की पार्टनरशिप डीड सामने आई है, जिसमें नरेश शाह 40 प्रतिशत और मनहर काकड़िया 20 प्रतिशत के भागीदार दिखाए गए हैं। CID ने झूठे दस्तावेज़ बनाने वाले तत्कालीन सुपरिटेंडेंट लैंड रिकॉर्ड अधिकारी काना गामीत की भूमिका को लेकर भी गहरी जांच शुरू कर दी है। 351 प्रॉपर्टी कार्डों में से 150 कार्ड रद्द कर दिए गए हैं, जबकि बाकी के 200 कार्ड रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

प्रॉपर्टी कार्ड बनाने में SLR गामीत की मुख्य भूमिका समृद्धि कॉर्पोरेशन द्वारा डुमस में स्थित करोड़ों की जमीन मामले में SLR गामीत ने DLAR के लॉन्ग-इन से 351 प्रॉपर्टी कार्ड बना दिए थे, जिन्हें उस समय कलेक्टर ने फ्रीज कर दिया था। डुमस में स्थित 2500 करोड़ की जमीन के फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड बनाने और उन्हें हड़पने के घोटाले में जांच की प्रक्रिया तेज़ हो गई है। CID क्राइम द्वारा भी इस मामले में जांच शुरू की गई है। इस मामले में तत्कालीन सुपरिटेंडेंट लैंड रिकॉर्ड की मुख्य भूमिका होने का प्राथमिक जांच में खुलासा हुआ है।

बाकी 200 कार्ड रद्द करने की प्रक्रिया शुरू वर्ष 2020-21 में तत्कालीन SLR काना गामीत ने अपने अधीनस्थ DLAR अनंत पटेल के लॉग-इन आईडी का गलत तरीके से उपयोग करके ये प्रॉपर्टी कार्ड बनाए थे। इस कारण ये कार्ड अनंत पटेल के अंगूठे के निशान से तैयार किए गए थे। हालांकि, जब अनंत पटेल को इस बारे में पता चला, तो उन्होंने इस मामले की रिपोर्ट बनाई और तत्कालीन कलेक्टर धवल पटेल को सूचित किया, जिसके बाद कलेक्टर धवल पटेल ने इन प्रॉपर्टी कार्डों को स्थगित कर दिया था। 351 प्रॉपर्टी कार्डों में से 150 कार्ड रद्द कर दिए गए हैं, जबकि बाकी के 200 कार्ड रद्द करने की प्रक्रिया शुरू की गई है।

बिल्डर आज़ाद रामोलिया की पूछताछ समृद्धि कॉर्पोरेशन पीढ़ी और भागीदार CID क्राइम ने बिल्डर आज़ाद रामोलिया को बुलाकर उनकी पास से फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड और अन्य दस्तावेज़ प्राप्त किए हैं। इन दस्तावेज़ों की सरकारी कार्यालयों से प्राप्त डेटा के आधार पर जांच की जा रही है। आज़ाद रामोलिया की मालिकानी वाली 7 ज़मीनों पर कुल 135 फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड बनाए गए थे। जांच एजेंसी सभी दस्तावेज़ों की वेरिफिकेशन कर रही है, और बयान के आधार पर भी जांच शुरू कर दी गई है।

समृद्धि कॉर्पोरेशन के भागीदारों की भी जांच के घेरे में

इस अपराध में समृद्धि कॉर्पोरेशन पीढ़ी के बिल्डर नरेश शाह 40 प्रतिशत के भागीदार हैं, जबकि मनहर काकड़िया, लोकनाथ गंभीर और जयप्रकाश अश्वानी 20-20 प्रतिशत के भागीदार हैं। इन भागीदारों की नॉटरी कराई गई पार्टनरशिप डीड सामने आई है, जो 21 फरवरी 2004 की है। CID क्राइम ने इन दस्तावेज़ों और बैंक खातों की गहन जांच शुरू कर दी है।

सरकारी मिलीभगत का पर्दाफाश इस रैकेट में सरकारी कर्मचारियों की भूमिका भी संदेह के घेरे में है। CID क्राइम ने इन अधिकारियों के कागज़ात और परमिट्स की बारीकी से जांच शुरू कर दी है। फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड बनाने में तत्कालीन सुपरिटेंडेंट लैंड रिकॉर्ड अधिकारी काना गामीत की भूमिका को लेकर भी गहन जांच की जा रही है।

समृद्धि कॉर्पो. में बिल्डर नरेश शाह 40% और मनहर काकड़िया 20% के भागीदार

अधिकारियों द्वारा बड़ी गड़बड़ियां की गई हैं, ऐसा प्रतीत हो रहा है। सूरत के चार बड़े बिल्डरों और अधिकारियों की सांठगांठ के कारण किसानों की ज़मीन पर फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड तैयार किए गए हैं।

महत्वपूर्ण खुलासे डुमस, वाटा और गवियरा के साइलेंट जोन में 351 फर्जी प्रॉपर्टी कार्ड बनाए गए थे।

आज़ाद रामोलिया की मालिकानी वाली 7 ज़मीनों पर 135 फर्जी कार्ड बनाए गए थे।

फर्जी कार्ड बिल्डर नरेश शाह की पत्नी और बेटे के नाम पर बनाए गए थे।

एक व्यक्ति पर बच्चियों के साथ छेड़छाड़ का आरोप

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात में एक हैरान करने वाली घटना में, एक व्यक्ति पर बच्चियों के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगा है। आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर इलाके में लेकर जाते समय लोगों ने च्गुजरात पुलिस जिंदाबादज् के नारे लगाए। यह घटना तब और चर्चा में आ गई जब इसका ष्टष्ठ्ठ फुटेज वायरल हो गया।

ष्टष्ठ्ठ वीडियो में देखा गया कि पुलिस आरोपी को लेकर उस क्षेत्र में पहुंची जहां अपराध हुआ था। वीडियो में स्थानीय लोगों को पुलिस के समर्थन में नारे लगाते देखा गया। इस घटना ने सोशल मीडिया पर काफी हलचल मचा दी है और लोग पुलिस की तत्परता की तारीफ कर रहे हैं।

इस मामले की जांच अभी जारी है, और पुलिस ने क्षेत्र के लोगों को न्याय का भरोसा दिलाया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार किया है एसीपी नीरव गोहिल ने बताया कि 2 जनवरी 2025 को दो छोटी बच्चियां अपने घर के आंगन में खेल रही थीं, तभी एक अज्ञात शख्स ने एक बच्ची को गोद में उठाकर उसके साथ शारीरिक छेड़छाड़ की। इस घटना के बाद मिली जानकारी के आधार पर आरोपी की पहचान मोहम्मद नजीर मोहम्मद सगीर अंसारी (उम्र 26) के रूप में की गई है। आरोपी गोल्डन

इंडस्ट्रीज, सना मिल के पास एक गोदाम में नौकरी करता था और अक्षानगर कंकाली बस्ती, आशिया मस्जिद के पास, ऊन, सूरत में रहता था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है और थाने लाकर उसके खिलाफ गंभीर धाराओं के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

मोबाइल को लेकर मां की डांट से आहत बेटी ने की आत्महत्या

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जहां मोबाइल को लेकर मां द्वारा डांटने के बाद एक बेटी ने आत्महत्या कर अपनी जान दे दी। यह घटना परिवार के लिए बेहद दुखदायी और चौंकाने वाली साबित हुई।

प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मां ने अपनी बेटी को मोबाइल इस्तेमाल करने को लेकर डांटा था। इस बात से आहत होकर बेटी ने ऐसा कदम उठाया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और परिवार से पूछताछ कर रही है ताकि घटना की पूरी जानकारी जुटाई जा सके।

पांडेसरा की आविर्भाव सोसायटी में रहने वाली वर्षा नीसाद नामक छात्रा को मोबाइल की लत लग गई थी। वह लगातार मोबाइल में व्यस्त रहती थी। इसे लेकर उसकी मां ने मोबाइल छीन लिया और उसे अधिक मोबाइल इस्तेमाल न करने की फटकार लगाई।

इस बात से आहत होकर वर्षा ने आत्महत्या जैसा गंभीर कदम उठा लिया। यह घटना परिवार के लिए गहरा सदमा बन गई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और घटना के सभी पहलुओं को समझने की कोशिश कर रही है।

मां की डांट से आहत होकर छात्रा ने अपनी जान दे दी। किशोरी की असमय मौत से परिवार गहरे सदमे में है। पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी गई, जिसके बाद पुलिस ने आत्महत्या के मामले में केस दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

किशोरी के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है ताकि आत्महत्या के पीछे के कारणों को स्पष्ट किया जा सके।

सूरत एयरपोर्ट से 64.89 लाख के गोल्ड स्मगलिंग मामले में निवेशक पकड़े गए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत एयरपोर्ट पर 64.89 लाख रुपये के सोने की तस्करी के मामले में कुछ निवेशकों को गिरफ्तार किया गया है। जांच के दौरान पता चला कि इस तस्करी के पीछे पिता-पुत्र का हाथ था, जिन्होंने तस्करी के लिए फंड जुटाया था।

पुलिस ने मामले की गहन जांच शुरू की है और आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। गोल्ड स्मगलिंग की इस गतिविधि में शामिल सभी लोगों को पकड़ने के लिए पुलिस ने प्रयास तेज कर दिए हैं।

सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर तस्करी का खुलासा हुआ, दुबई से सोने की तस्करी पकड़ी गई

"हमसे सुरत में किसी ने नहीं सुनी,इसलिए CID क्राइम में गए": ज़मीन घोटाले में शिकायतकर्ता ने स्थानीय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए

1200 करोड़ की ज़मीन के बदले में 131 प्रॉपर्टी कार्ड बनाए

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत का वेसु इलाका सबसे पॉश इलाकों में गिना जाता है, खासकर अठवागेट से डुमस तक का पूरा क्षेत्र सूरत की पहचान के समान है। जिस तरह से सूरत आज दुनिया के सबसे तेज़ी से विकसित होते शहरों में एक है, वैसे ही साइलेंट ज़ोन क्षेत्र में एक वर्ग मीटर का 50,000 रुपये का भाव चलता है। इस क्षेत्र में जमीन को हड़पने के लिए सूरत के कई बिल्डर्स लगातार प्रयासरत रहते हैं। इसी क्षेत्र में लाखों रुपये की ज़मीन बिना खेती किए ही प्लॉटिंग कर बेच दी गई है। बिना खेती के जमीन के प्रॉपर्टी कार्ड बनने की शिकायत CID क्राइम में दर्ज कराई गई है। शिकायतकर्ता ने स्थानीय प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना था कि बिना किसी ज़मीन को ह्न किए, उसका प्रॉपर्टी कार्ड बनना असंभव लगता है, लेकिन जब कोई व्यक्ति जमीन बेचने के लिए उनके पास आता है, तो जमीन मालिक हैरान रह जाता है। फिर पूरे घोटाले का पर्दाफाश होता है।

साइलेंट ज़ोन में 1.80 लाख वर्ग मीटर ज़मीन के मालिक आज़ाद रामोलिया इस क़ानूनी घोटाले को देखकर हैरान रह गए। इसके बाद वह प्रांत अधिकारी, कलेक्टर और पुलिस कमिश्नर के पास गए, लेकिन उनकी शिकायतों को दफ्तरों में ही दबा दिया गया। उनकी प्रॉपर्टी कार्ड से संबंधित जानकारी को भी नजरअंदाज कर दिया गया। अंत में, आज़ाद रामोलिया ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री से मुलाकात की और इस मामले को गंभीरता से लिया गया। इसके बाद महेसूल विभाग और सचिव को भी इन घटनाओं की जानकारी दी गई। अंततः ष्टढ्ढ क्राइम में शिकायत दर्ज होने के बाद पूरे घोटाले की जांच शुरू हुई और यह खेल बाहर आ गया।

शिकायतकर्ता आज़ाद रामोलिया ने कहा कि साइलेंट ज़ोन में जमीन खरीदने से पहले सतर्क रहना चाहिए क्योंकि ऐसे ग़ैरकानूनी तरीके से संपत्ति के दस्तावेज़ तैयार करके लोग आपसे पैसे खींच लेंगे। साइलेंट ज़ोन में, मेरी जानकारी के अनुसार, कुल 5 लाख वर्ग मीटर ज़मीन है। मेरी खुद की 1.80 लाख वर्ग मीटर ज़मीन है, और जिस तरह से मेरी ज़मीन के कुल 131 झूठे प्रॉपर्टी कार्ड बनाए गए हैं,

श्री श्याम भजन संध्या का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,श्याम परिवार वेदांता द्वारा विशाल श्री श्याम भजन संध्या का आयोजन रविवार को किया गया। इस मौके पर बाबा श्याम का दरबार वीआईपी रोड़ स्थित संगिनी वेदांता बिल्डिंग में सजाया गया। शृंगारित दरबार के समक्ष दोपहर सवा बारह अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई। भजन संध्या में स्थानीय कलाकारों के अलावा आमंत्रित गायक कलाकार रजनी राजस्थानी एवं संजीव शर्मा ने भजनों की प्रस्तुति दी। देर रात तक चले आयोजन में सोसायटी के अनेकों भक्त उपस्थित रहें।

"अखंड ज्योत है अपार माया... श्याम देव की प्रबल छाया..."

>>"कृपा खाटूवाले की" कार्यक्रम का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,खाटूवाला श्याम प्रेमी ग्रुप एवं ऋषिविहार सेवा समिति द्वारा अपने पांचवे वार्षिक महोत्सव के उपलक्ष विशाल कार्यक्रम च्कृपा खाटूवाले कीज् का आयोजन रविवार को किया गया। इस अवसर पर बाबा श्याम का भव्य दरबार पर्वत पाटिया स्थित ऋषिविहार टाउनशिप में सजाया गया। श्रृंगारित दरबार के समक्ष सुबह सवा नौ बजे अखंड ज्योत प्रज्वलित की गई एवं बाबा श्याम के जीवन चरित्र पर आधारित श्री श्याम अखंड ज्योत पाठ का वाचन स्थानीय गायक कलाकार पवन मुरारका एवं पवन केजरीवाल द्वारा किया गया। पाठ के दौरान भीम विवाह, श्याम जन्मोत्सव, शीश का दान सहित अनेकों प्रसंगों पर भजनों की प्रस्तुति हुई। कार्यक्रम में शाम सात बजे से भजन संध्या का आयोजन किया गया। जिसमें स्थानीय आकाश करनानी के अलावा आमंत्रित कलाकार मुकेश बागड़ा ने भजनों एवं धमाल की एक से बढ़कर एक प्रस्तुति दी । इस भव्य कार्यक्रम में भक्तों को प्रसिद्ध भजन लेखक बिन्नूजी का पवन सानिध्य मिला। आयोजन में पुष्प वर्षा, महाप्रसाद आदि कार्यक्रम भी हुए। देर रात तक चले आयोजन में अनेकों भक्त उपस्थित रहें।

अग्रवाल प्रीमियम लीग-14 की भव्य शुरुआत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,अग्रवाल विकास ट्रस्ट द्वारा आयोजित क्रिकेट लीग अग्रवाल प्रीमियम लीग-14 की शुक्रवार को भव्य शुरुआत हुई। अलथान स्थित बीजे पटेल क्रिकेट ग्राउंड पर आयोजित लीग में शुरुआत के अवसर पर सभी टीमों की परेड हुई एवं ट्रस्ट द्वारा दीप प्रज्वलित किया गया।

टेनिस बॉल से खेली जाने वाली लीग का आयोजन च्जल संचयज् की थीम पर किया गया। ओपनिंग सेरेमनी में ट्रस्ट द्वारा रेन वाटर हार्वेस्टिंग का सही एवं उचित तरीका सभी को बताया गया। टूर्नामेंट में 12 मेन टीम एवं 3 अंडर-16 टीम हिस्सा लेगी। लीग का फाइनल मैच रविवार को खेले जाएगा। लीग की शुरुआत के मौके पर ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रमोद पोद्दार, संजय सरावगी, अनिल शोरेवाला, शशिभूषण जैन, रमेश अग्रवाल, प्रमोद कंसल, दिनेश अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

फ्री सुजॉक एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

>> सुजॉक फेस्ट एवं रीयूनियन का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,इंटरनेशनल सुजोक एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया एवं अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट द्वारा निःशुल्क सुजॉक एक्यूप्रेशर चिकित्सा शिविर का आयोजन शुक्रवार से डुमस रोड़ स्थित अग्र एग्जॉटिका के इम्पीरियल हॉल में किया गया। फ्री कैम्प में दो सौ से अधिक लोगों ने स्वास्थ्य लाभ लिया।

शिविर में शनिवार को सुजॉक फेस्ट एवं रीयूनियन का आयोजन किया गया। जिसमें देश भर के पाँच सौ सुजॉक थेरेपिस्ट ने हिस्सा लिया। आयोजन की शुरुआत गुजरात सरकार के गृहमंत्री हर्ष संघवी ने दीप प्रज्वलित कर की। शिविर का समापन रविवार को होगा।

इस मौके पर इंटरनेशनल सुजोक एसोसिएशन वेस्ट ज़ोन गुजरात के समन्वयक पवन झुनझुनवाला, अग्रवाल प्रगति ट्रस्ट के अध्यक्ष नटवर टाटनवाला सहित अनेकों लोग उपस्थित रहें।